



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 11, 1978 (फाल्गुन 20, 1899)
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 11, 1978 (PHALGUNA 20, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 फरवरी 1978

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 फरवरी 1978

सं० ए० 32013/3/76-प्रशा०-I—इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 4-11-1977 के अनुक्रम में भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री ए० एन० कोल्हटकर को, राष्ट्रपति द्वारा 1-1-1978 से 10-3-1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं० एफ-2/60/77-स्था० (सी० आर० पी० एफ०)/पर्स-II—राष्ट्रपति, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में प्रतिनियुक्त केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप पुलिस अधीक्षक श्री एस० के० बोस को 24-2-77 से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमांडेंट के रैंक पर प्रोफोर्मा पदोन्नति मंजूर करते हैं।

उपर्युक्त पदोन्नति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उप पुलिस अधीक्षकों की प्रडेशन सूची को अन्तिम रूप देते समय समीक्षा के अध्वधीन है।

दिनांक 14 फरवरी 1978

च० चक्रवर्ती, निवेशक

सं० पी०/556-प्रशा०-I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28-12-1977 के अनुक्रम में राष्ट्रपति द्वारा श्री एम० एम० टॉमस की पुनर्नियुक्ति की अवधि को 1-1-1978 से 31-3-1978 तक तीन मास की अग्रतर अवधि सहर्ष बढ़ाई गई है।

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1978

प्र० ना० मुखर्जी, अवर सचिव

सं० ए०-32014/1/77-प्रशासन-I—निवेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री नरेन्द्र प्रकाश, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय

अन्वेषण ब्यूरो जो बी० पी० आर० एण्ड डी०, नई दिल्ली में पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं, को दिनांक 4-7-1977 से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना में, अस्थायी रूप से पुलिस अधीक्षक के पद पर प्रोफार्मा प्रान्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० ए०-19036/9/76-प्रशासन-5—श्री के० पी० मोहम्मद ने दिनांक 31-12-77 के अपराह्न में पुलिस उप-अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कोचीन शाखा के पद का कार्यभार त्याग दिया और दिनांक 2-1-78 से 180 दिन की सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर चले गये।

श्री के० पी० मुहम्मद दिनांक 30-6-78 (अपराह्न) को अन्तिम रूप से सेवा निवृत्त हो जायेंगे।

ए० के० हई
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

लाल बहादुर राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० 2/46/75-ई०एस० टी०—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 2/46/75-ई०एस० टी०, दिनांक 24-12-1977 के संबंध में निदेशक महोदय, श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता के निधन से रिक्त हुए स्थान पर श्री कैलाश चन्द सक्सेना की पुस्तकाध्यक्ष के पद पर दिनांक 15-1-1978 से आगामी तीन मास के लिये सहर्ष तदर्थ रूप में नियुक्ति करते हैं।

तिलकराज सूरी,
लेखा अधिकारी

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 फरवरी 1978

सं० पी०सात०-4/76-स्थापना-पांच—राष्ट्रपति, सूबेदार मदन सिंह डोगरा को उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वाटर मास्टर) के पद पर अस्थाई रूप से अगले आदेश जारी होने तक पदोन्नत करते हैं।

2. उन्होंने अपने पद का कार्यभार 14वीं बाहिनी में 11-2-1978 (पूर्वाह्न) से आई० टी० बी० पी० से प्रत्यावाप्त होने पर संभाल लिया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० 11/5/77-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 3 दिसम्बर, 1977 की अधिसूचना समसंख्यक, के अनुक्रम में श्री जे० आर० बशिष्ठ, सहायक निदेशक, जनगणना परिचासन (तकनीकी) के पद पर, निदेशक जनगणना परिचालन, हरियाणा में, उनका मुख्यालय चंडीगढ़ में ही रहेगा, तदर्थ नियुक्ति को तारीख 1-1-78 से 3-2-78 तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 11/5/77-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, निम्नांकित अधिकारियों को सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनके नाम के आगे दर्शित निदेशक, जनगणना परिचालन कार्यालयों में, अगले दो महीनों को दिनांक 1-1-78 से 28-2-78 तक अथवा जब तक पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, जो भी समय कम हों, तदर्थ नियुक्ति को सहर्ष बढ़ाते हैं।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	निदेशक, जन गणना, परिचालन कार्यालय का नाम	मुख्यालय	पिछला संदर्भ
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	बी० सरयानारायण	कर्नाटक	बंगलौर	11-5-77 प्रशा०-I दिनांक 19 दिसम्बर, 77
2.	एस० जयशंकर	केरल	त्रिचेन्द्रम	11-5-77-प्रशा०-I दिनांक 3-12-77

दिनांक 20 फरवरी 1978

सं० 12/5/74-म० प्र० (प्रशा०-I)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 12/5/74-म० प्र० (प्रशा०-I) दिनांक 3 सितम्बर, 1977 के अनुक्रम में कलकत्ता में सहायक महापंजीकार (भाषा) के कार्यालय में श्रीमती कृष्णा चौधरी की भाषाविद् के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 11 जनवरी, 1978 से छः माह की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

ब्रतीनाथ

भारत के महापंजीकार तथा भारत सरकार के
पदेन उप-सचिव

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 8 मार्च 1978

सं० 23/3/78-सी० पी० आई—जनवरी, 1978 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधार 1960-100 दिसम्बर, 1977 के स्तर से पांच अंक घट कर 325 (तीन सौ पच्चीस) रहा। जनवरी, 1978 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 395 (तीन सौ पचानवे) आता है।

आन्नद स्वरूप भारद्वाज

संयुक्त निदेशक

वित्त मंत्रालय

(प्रर्थ विभाग)

भारत प्रति भूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 15 फरवरी 1978

सं० 2039/ए—दिनांक 24-11-1977 के क्रम में सर्वश्री जे० एच० सय्यद और आर० व्यंकटरमन को उप नियन्त्रण अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में 31-3-78 तक उन्हीं शर्तों के साथ नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० 2041/ए—मै श्री ए० व्ही० सुशामनियन (लेखा अधिकारी, विभागीय अभियन्ता, तार विभाग, शोलापुर कार्यालय को लेखा अधिकारी के रूप में भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड में 13 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से पहली ही बार दो साल के लिये प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करता हूँ।

डी० सी० मुखर्जी

महाप्रबन्धक

महालेखाकार बिहार का कार्यालय

रांची-2, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० स्था०-I-ओ० डी०-4961—महालेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री युगश्वर सिंह को अपने कार्यालय में ही दिनांक 10-1-78 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० स्था०-I-ओ० डी०-4980—महालेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री आर० एन० सहाय को अपने कार्यालय में ही दिनांक 10-1-78 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० स्था०-I-ओ० डी०-4998—महालेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री रिखेश्वर

प्रसाद को अपने कार्यालय में ही दिनांक 10-1-78 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

ह० अपठनीय

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० 68018(2)/71-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री के० पद्मनाभन, [रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन विभाग) में संयुक्त, सचिव के रूप में प्रतिनियुक्ति पर] को उस सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर-I, (रूपये 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिये दिनांक 28-12-1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त अनुक्रम नियम के अधीन सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० 3261/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री जी० सी० कटोच को दिनांक 30-11-77 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया गया।

शुद्धि-पत्र

इस कार्यालय की, श्री जी० सी० कटोच आई० डी० ए० एस० संबंधी दिनांक 24 जनवरी, 1978 की समसंख्यक अधिसूचना, एतद्वारा रद्द की जाती है।

बी० एस० भीर

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1978

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण स्थापना

सं० 6/851/68-प्रशा०(राज०)1417—संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री पी० आर० टम्बे, स्थानापन्न नियन्त्रक, आयात-निर्यात ने सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर, 31 दिसम्बर, 1977 के दोपहर बाद अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/1246/78-प्रशा०(रा०)/1443—राष्ट्रपति, श्रीमती ऊषा बोहरा, भारतीय प्रशासनिक सेवा को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 1 फरवरी, 1978

के दोपहरपूर्व से, आगे के लिये आदेश जारी होने तक निर्यात आयुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वें० शोषाद्रि, मुख्य नियंत्रक
आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जनवरी 1978

सं० ए०-19018/27/73-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री एल० टी० पी० सिन्हा, सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (कांच/सिरेमिक्स) को राष्ट्रपति, जी दिनांक 20 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (कांच/सिरेमिक्स) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एल० टी० पी० सिन्हा ने सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (कांच/सिरेमिक्स) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 20 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (कांच/सिरेमिक्स) पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 30 जनवरी 1978

सं० 12(262)61-प्रशासन (राजपत्रित)—लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के श्री पी० बी० एल० सक्सेना, सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (चमड़ा/पादुका) के निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर उन्हें दिनांक 3 दिसम्बर, 1977 (अप्रराह्न) से राष्ट्रपति जी सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं।

2. निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर श्री पी० बी० एल० सक्सेना ने दिनांक 31 दिसम्बर, 1977 (अप्रराह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन के सहायक निदेशक (ग्रेड-I) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 12/663/70-प्रशासन (राजपत्रित)—पहली जुलाई, 1977 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक (ग्रेड-I) के पद पर प्रस्थापित होने पर, श्री एस० एन० शर्मा ने उप निदेशक के पद का कार्यभार जोकि वे तदर्थ आधार पर शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, भिवानी में धारण किए हुए थे, छोड़ दिया, और शाखा लघु उद्योग सेवा संस्था, भिवानी में ही पहली जुलाई, 1977 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक (ग्रेड-I) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए०-19018(306)/71-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री डी० ए० आर० कृष्ण सिंह को राष्ट्रपति जी दिनांक 21 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास

संगठन में उप निदेशक (विजली) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री डी० ए० आर० कृष्ण सिंह ने दिनांक 21 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई में उप निदेशक (विजली) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 2 फरवरी 1978

सं० ए०-19018/300/77-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री डी० के० पाल को राष्ट्रपति जी दिनांक 12 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री डी० के० पाल ने दिनांक 12 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० ए०-19018/27/77-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री एल० टी० पी० सिन्हा, सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (कांच/मृत्तिका) को राष्ट्रपति जी दिनांक 30 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में उप-निदेशक (कांच/मृत्तिका) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एल० टी० पी० सिन्हा ने 30 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (कांच/मृत्तिका) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 30 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से ही कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में उप निदेशक (कांच/मृत्तिका) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए०-19018/317/77-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर राष्ट्रपति जी श्री सुबोध प्रकाश गान्धर को दिनांक पहली फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (विद्युत) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० पी० गान्धर ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना, में दिनांक पहली फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से उप-निदेशक (विद्युत) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए०-19018/321/77-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर राष्ट्रपति जी श्री एस० एस० भोसरेकर को लघु उद्योग विकास संगठन में दिनांक पहली फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी

होने तक उप-निदेशक (धातुकर्म) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० एस० भोसरेकर ने क्षेत्रीय परीक्षण केंद्र, बम्बई में दिनांक पहली फरवरी 1978 (पूर्वाह्न) से उप-निदेशक (धातुकर्म) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

वी० वेंकटरायलु
उपनिदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 15 फरवरी 1978

सं० ई० 11(7)—इस विभाग के 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-11(7) में—

श्रेणी 2—नाइट्रेट मिश्रण के अधीन :

- (1) “एक्वाडाईन” शब्द के पश्चात् आने वाली प्रविष्टियों, “विनिर्दिष्ट स्थलों पर 31 मार्च, 1976 पर्यन्त क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु एक्वाडाईन-11 को हटा दिया जायेगा;
- (2) “जी एन-1” शब्द के पश्चात् आने वाली प्रविष्टियाँ “विनिर्दिष्ट स्थलों पर 30-6-1978 पर्यन्त अभिप्रयोग विनिर्माण, जांच एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु अनन्तिम रूपेण ऐरिकोल-1, ऐरिकोल-3, ऐरिकोल-11ए, रिजल-11बी, ऐरिमाइट-60, रिमाइट-80 और ऐरिप्राइम शब्दों को हटा दिया जायेगा और गोडीन प्रविष्टि के पश्चात् इन्डोकोल-1, इन्डोकील-3, इन्डोकोल-210, इंडोकोल-230, इन्डोमाइट-60 इन्डोमाइट-80 और इन्डोप्राइम” जोड़े जायेगे।

दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० ई०-11(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-11(7) में श्रेणी 6 भाग 3 के अधीन “फायरिंग विस्फोटक के लिए ट्यूब” शब्दों के पश्चात् “वही प्रकार के विलम्ब प्रस्फोटक सं० 8 क्षमता” शब्द जोड़े जायेगे।

दंगुब नरसिंह मुर्ति
मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० प्र० 1/1(71)—स्थायी उपनिदेशक और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में स्थानापन्न निदेशक श्री एस० एन० बनर्जी, दिनांक 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

दिनांक 15 फरवरी 1978

सं० प्र० 1/42(25)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के आगे लिखे पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम और पद नाम	पद जिस पर स्थायी रूप से नियुक्त हुए	स्थायी होने की तारीख
1.	श्री जे० जी० आई० जैकब, सहा० निदेशक सहायक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड-II) ग्रेड-II निरी० निदेशक, बम्बई।	सहा० निदेशक (प्रशा०) ग्रेड-II	1-1-76
2.	श्री एस० के० देसाई, निदे०, (प्रशासन) (ग्रेड-II), पूर्ति निदे० (वस्त्र) बम्बई।	—वही—	1-4-76
3.	श्री ए० बी० एस० पी० सिन्हा, सहा० निदे० (प्रशासन) ग्रेड-II) पू० तथा निप० निदे०, कानपुर।	—वही—	1-5-77
4.	श्री बी० के० संकरालिंगम, सहा० निदे० (प्रशासन) (ग्रेड-II) निरी० निदे०, मद्रास।	—वही—	1-5-77

दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० प्र०-1(1053)—श्री पी० के० बसु अधीक्षक (अधीक्षक स्तर-I) और निरीक्षण निदेशालय, कलकत्ता में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) दिनांक 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० प्र०-1(1109)—निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री आर० पी० भट्टाचार्य, दिनांक 25 जनवरी, 1978 के अपराह्न से अधीक्षक के रूप में पदावनत हो गये।

2. महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक श्री आर० पी० भट्टाचार्य को दिनांक 3 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में नियमित आधार पर सहायक निदेशक, (प्रशासन) (ग्रेड-II) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्यप्रकाश उप निदेशक (प्रशासन)

कृते, महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पान और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 नवम्बर 1977

सं० 5676/बी/40/59/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री बी० एम० गुहा सरकारी सेवा से, वार्धक्य निवर्तन पर 30 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) से निवृत्त हो गये।

बी० के० एम० वरदन,
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० 6/147/62-स्टाफ-I वाल्यू-III—केन्द्र निदेशक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर द्वारा दिनांक 3-12-75 से दिनांक 18-1-77 तक मंजूर की गई छुट्टी की समाप्ति पर, महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री के० आर० मल्होत्रा, कार्यक्रम निष्पादक आकाशवाणी, का त्यागपत्र दिनांक 19 जनवरी, 1977 से स्वीकार करते हैं।

दिनांक 19 फरवरी 1978

सं० 6(14)/60-स्टाफ-एक—श्री वलदेव राज शर्मा, कार्यक्रम, निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, दिल्ली, निवर्तन आयु प्राप्त हो जाने पर, 31 जनवरी, 1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 20 फरवरी 1978

सं० 4(68)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा डा० (श्रीमती) एन० जयलक्ष्मी अम्माल को आकाशवाणी, भोपाल में 9-2-1978 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1978

सं० 2/6/63-एस-2—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एम० डी० पन्त, अक्राउन्टेड, आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली को दिनांक 27-12-77 (पूर्वाह्न) से उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, अलीगढ़, में प्रशासन अधिकारी के पद पर अगले आदेशों तक स्थापनापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० बी० शेषाद्री,
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन (विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1978

सं० ए-12026/1/78-प्रशासन-I—निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री के० सी० सिंघल, लेखाधिकारी, को 15 फरवरी, 1978 से 74 दिन के अवकाश प्रदान किये जाने के परिणाम-स्वरूप श्री जी० डी० मदान स्थायी लेखाकार को प्रकाशन विभाग में तदर्थ आधार पर स्थापनापन्न रूप से लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

2. यह तदर्थ नियुक्ति श्री जी० डी० मदान को लेखाधिकारी के ग्रेड में नियमित नियुक्ति के दावे का अधिकार नहीं देती। वरिष्ठता के मामले में उनकी यह नियुक्ति ग्रेड में भी नहीं जोड़ी जायेगी।

दिनांक 20 फरवरी, 1978

सं० ए-31014/3/77-प्रशासन-I—प्रकाशन विभाग के निदेशक, श्री पी० के० सैतगुप्त को 14-5-1973 से स्थायी रूप में आर्टिस्ट के पद पर नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते निदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 फरवरी 1978

सं० ए-12026/5/78-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, निम्नलिखित तकनीकी सहायकों (विज्ञापन) को 8-2-78 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश तक, तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से सहायक माध्यम कार्यपालक के पद पर नियुक्त करते हैं:—

1. श्री आर० के० मेंडवाल
2. श्री भास्कर नाथर

आर० देवासर
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० ए-19019/10/77-के०सं०स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) लीला देवी सोनोवाल को 1 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में आयुर्विज्ञान फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एस० भाटिया,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1978

सं० ए-12023/15/76-(एच० क्यू०) प्रशासन-I—श्री सत्यपाल ने 16 जुलाई, 1977 अपराह्न से सहायक वास्तुविद्,

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

2. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री मत्थपाल को 1 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक वास्तुविद्, के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए-19020/34/76-प्रशासन-I—डा० (श्रीमती) रमा भाटिया ने 30 नवम्बर, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अन्तर्गत दन्त शल्य चिकित्सा के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं. ए०-12026/29/77-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती आशा शर्मा को 20 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) में आगामी आदेशों तक राजकुमारी अमृतकौर नर्सिंग महाविद्यालय, नई दिल्ली में सीनियर ट्यूटर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सीनियर ट्यूटर के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्रीमती आशा शर्मा ने 20 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) में उसी संस्थान में ट्यूटर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं. ए०-12026/32/77-(एच० क्यू०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान पुस्तकालय, स्वास्थ्य महानिदेशालय के लाइब्रेरियन ग्रेड-I श्री ए० जी० पाटिल को 21 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक उसी निदेशालय में अपर उप सहायक निदेशक (पुस्तकालय) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए-19020/17/77-प्रशासन-I—क्षेत्रीय स्वास्थ्य कार्यालय, कलकत्ता में मूल्यांकन अधिकारी के पद पर अपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप श्री आई० प्रसाद ने 9 जनवरी, 1978 (अपराह्न) से ग्राम स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़ (दिल्ली) में वरिष्ठ प्रशिक्षण अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं. ए०-32014/8/77-(जे० आई० पी०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एस० जार्ज को 17 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक अवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने के फलस्वरूप डा० डी० अनन्थापद्मानाभन ने 17 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी से लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1978

सं. ए०-31019/3/76-के० स्वा०से०-II (3)—राष्ट्रपति ने डा० एस० के० लाहिरी को जो इस समय नाविक स्वास्थ्य परीक्षा, संगठन, पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता में चिकित्सा अधिकारी का पद संभाले हुए हैं, को 10 जुलाई, 1962 में अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में जानपदिक रोग विज्ञानी के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

के० वेणुगोपाल,
अवर सचिव

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं. फा०ए०-19023/3/78-प्र० III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या फाईल 4-5 (90)/77-प्र० III, दिनांक 14-12-1977 द्वारा दिनांक 2-11-1977 (पूर्वाह्न) से तीन माह के लिए अधिसूचित विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री एस० पी० बसीन की अल्पकालीन नियुक्ति को आगे की अवधि जो दिनांक 2-2-1978 से तीन माह से अधिक के लिए नहीं है, या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

सं. ए०-19023/4/78-प्र० III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या फाईल 4-5 (88)/77-प्र० III, दिनांक 6-12-1977 द्वारा दिनांक 30-10-1977 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिए विपणन अधिकारी (वर्ग I), के पद पर अधिसूचित श्री के० सूर्यनारायणन की अल्पकालीन नियुक्ति को आगे की अवधि, जो दिनांक 31-1-1978 से तीन माह के लिए अधिक नहीं है, या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

सं. ए०-19023/5/78-प्र० III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या फाईल 4-5 (86)/77-प्र० III दिनांक 3-1-1978 द्वारा दिनांक 30-11-1977 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिए अधिसूचित तिरुपुर में विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री आर० नरसिम्हन की अल्पकालीन नियुक्ति को आगे की अवधि जो दिनांक 28-2-78 से तीन माह से अधिक के लिए नहीं है, या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से पहले जो भी घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

सं. ए०-19023/8/78-प्र० III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या फाईल 4-5 (87)/77-प्र० III, दिनांक 14-12-77 द्वारा दिनांक 21-11-77 (पूर्वाह्न) से तीन माह के लिए अधिसूचित सूरत में विपणन अधिकारी (वर्ग-I) के पद पर श्री ए० सी० गुहन की अल्पकालीन नियुक्ति को आगे की अवधि के लिए जो दिनांक 21-2-1978 से तीन माह से अधिक नहीं है, या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

सं० ए०-19023/21/78-प्र०-III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या फाईल 4-5(89)/77-प्र०-III, दिनांक 6-12-77 द्वारा नागपुर में दिनांक 14-11-77 (पूर्वाह्न) से 3 माह की अवधि के लिए अधिसूचित विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री जे० एन० राव की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 14-2-1978 से आगे की अवधि जो तीन माह से अधिक के लिए नहीं है, या जब तक नियमित प्रबंध होते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

दिनांक 15 फरवरी 1978

सं० ए०-19025/1/78-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री सुधीन्द्र नाथ राय को इस निदेशालय में मद्रास में दिनांक 23 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आवेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया गया है।

सं० फा० ए०-19025/38/78-प्र०—श्री वी० ई० इंड्रिन वरिष्ठ निरीक्षक को दिनांक 18-1-78 (पूर्वाह्न) से विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, उद्घा में अल्पकालीन आधार पर 3 माह की अवधि के लिए या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से पहले जो भी घटित हो, स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० ए०-19025/29/78-प्र० III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या फाईल 4-6(118)/77-प्र० III, दिनांक 6-12-1977 द्वारा दिनांक 12-3-1978 तक स्वीकृत सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री एन० जी० शुक्ला की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 12-6-1978 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

सं० ए० 19025/10/78-प्र०-III—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० फाईल 4-6(117)/77-प्र० III, दिनांक 6-12-77 द्वारा दिनांक 16-2-78 तक स्वीकृत सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री एस० पी० सक्सेना की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 16-5-78 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

सं० ए०-19025/23/78-प्र० III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या फाईल 4-6(116)/77-प्र० III दिनांक 6-12-1977 द्वारा 24-3-1978 तक स्वीकृत सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री एच० एन० शुक्ला की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 24-6-1978 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से पहले जो भी घटित हो, बढ़ाया गया है।

सं० ए० 39013/1/78-प्र० III—श्री एम० हविस, सहायक विपणन अधिकारी द्वारा दिए गए त्याग पत्र की स्वीकृति के पश्चात्

उन्हें इस निदेशालय में भोपाल में दिनांक 6-2-78 (अपराह्न) से उनके कार्य से मुक्त किया गया है।

वी० पी० चावला,

निदेशक, प्रशासन।

कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई, 400001 दिनांक 16 फरवरी 1978

सं० क्रम नि०/2/1(2)/77-प्रशा०/6712—निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग श्री बिट्टल कृष्ण भाई कमिष्ठ लेखा अधिकारी कार्यालय प्रबन्धक सामान्य, टैलीकाम डाक एवं तार विभाग को सहायक लेखा अधिकारी के पद पर प्रभारी रूप में प्रतिनिधि नियुक्ति पर कार्य करने हेतु रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतन क्रम में प्रतिनिधि नियुक्ति के नियमों के अधीन इसी निदेशालय में 27 जनवरी, 1978 से अग्रिम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,

कृते प्रशासनिक अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० क्रम नि०/23/4/77-संस्था/6756—इस निदेशालय की सम संख्यक अधिसूचना दिनांक 14 दिसम्बर, 1977 के तारतम्य में निदेशक, क्रय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग इस निदेशालय के श्री के० टी० परमेश्वरन् क्रय सहायक को सहायक क्रय अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से श्री पी० रामनाथन सहायक, क्रय अधिकारी के बढ़ाये गये अवकाश स्वीकृत होने पर 13-1-1978 तब इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,

सहायक कार्मिक अधिकारी

मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट

मद्रास-600006, दिनांक 27 जनवरी 1978

सं० एम० आर० पी० यू०/200(16)/78-प्रशासन—निदेशक, क्रय एवं भंडार, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, कल-एक्कम के क्रय एवं भंडार निदेशालय के स्थानापन्न भंडारी श्री वी० बाल कृष्णन को 5 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से 10 मार्च, 1978 तक के लिए उसी यूनिट में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी,

क्रय अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 19 फरवरी 1978

सं० ए० एम० डी०-1/20/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री तुषार पाल को 5 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (ट्रीलिंग) ग्रेड, एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी० 1/28/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री सी० एल० भाईराम को 23, जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर, ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

थाना-401504, दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० टी० ए० पी० एस०/1/26/76-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री योगेश आनन्द की, दिनांक 7-2-1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए तारापुर परमाणु बिजलीघर में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता "एस० बी०" के पद पर अस्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई,
मुख्य प्रशासकीय अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० ए० 32023/1/77-आर० 3333—इस केन्द्र की दिनांक 30 अगस्त, 1977 की समसंख्यक अधिसूचना को देखने की कृपा की जाए, जिसके अनुसार स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री के० एम० बेलायुधान को 12 अगस्त, 1977 से तदर्थ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया था। श्री बेलायुधान ने सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार 17 जनवरी, 1978 के अपराह्न से छोड़ दिया।

आर० एच० शंमुखम,
प्रशासन अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक

पयटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० ई० (I) 04269--निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता, भारत मौसम विज्ञान विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री एस० के० बसु निवृत्ति की आयु पर पहुंचने पर 30 सितम्बर, 1977 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 20 फरवरी 1978

सं० ई० (I) 00948--वेधशालाओं के महानिदेशक, श्री भानु प्रताप सिंह को 27 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक भारतीय मौसम सेवा ग्रुप-बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी) में अस्थायी रूप में सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भानु प्रताप सिंह को निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

गुरुमुख राम गुप्ता,

मौसम विज्ञानी

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० ए० 31013/3/76-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री जी० सी० लोहर को नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग एवं विमान-क्षेत्र संगठन में दिनांक 13 सितम्बर, 1977 से वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए०-39013/1/78-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने दिनांक 31 जनवरी, 1978 (अपर ह्न) से सर्वश्री वी० के० अरोड़ा और विनय कपूर, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली का सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

विश्व विनोद जौहरी,

सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1978

सं० ए०-12025/1/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित दो अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक

संचार संगठन में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है और प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख	तैनाती स्टेशन
1	2	3	4	5
1	श्री सुकान्त भट्टाचार्य	तकनीकी अधिकारी	13-1-1978 (पूर्वाह्न)	नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई एयरपोर्ट, बंबई ।
2	श्री अशोक कुमार गुलार्टी	संचार अधिकारी	9-1-1978 (पूर्वाह्न)	प्रभारी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद ।

सत्य देव शर्मा, उप निदेशक ।

प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तलिय

दिनांक 7 फरवरी 1978

पटना, दिनांक 16 फरवरी 1978

सं० 11(7) 1-स्था०/77—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 243/77 दिनांक 6-9-77 के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क के श्री उमा शंकर और श्री सी० पी० मिश्रा निरीक्षकों को रू० 650-30-740-35-810-द० री०-880-40-1000-द० री०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर स्थानापन्न अधीक्षक राजपत्रित श्रेणी 'बी' के रूप में नियुक्त किया गया। इस आदेश के अनुसरण उपर्युक्त पदाधिकारी उनके नाम के सामने लिखित स्थान तिथि एवं समयानुसार अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, श्रेणी 'बी' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया ।

क्रम सं०	नाम	पद-स्थापन के स्थान	कार्यग्रहण तिथि
1	2	3	4
1.	श्री उमा शंकर	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद दानापुर रेंज ।	28-9-77 (पूर्वाह्न)
2	श्री सी० पी० मिश्रा	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद महाराष्ट्र रेंज ।	23-11-77 (पूर्वाह्न)

दिनांक 6 फरवरी 1978

सं० 11(7) 2-स्था०/78—वित्त मंत्रालय के आदेश सं० 148/77 दिनांक 16-9-1977 तथा इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 289/77 दिनांक 14-10-77 के अनुसार श्री बी० वी० प्रसाद, सहायक समाहर्ता, कस्टम हाउस, कोचीन, दिनांक 28-11-1977 के पूर्वाह्न में सहायक समाहर्ता (प्रवकाश रिक्ति) के रूप में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मुख्यालय) पटना में कार्यभार ग्रहण किया ।

सं० 11(7) 12-स्था०/78—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 190/77 दिनांक 29-7-1977 जैसा स्थापना आदेश सं० 241/77 दिनांक 6-9-77 के द्वारा संशोधित किया गया है, के अनुसरण में श्री एन० भट्टाचार्य, कार्यालय अधीक्षक (जो प्रतिनियुक्ति पर शाखा प्रभारी (एक्सलकुटेड) के पद पर केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड, नई दिल्ली में पद स्थापित थे) रू० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर स्थानापन्न प्रशासन पदाधिकारी (मुख्यालय पटना) के रूप में दिनांक 12-12-1977 के पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण किया ।

दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० 11(7) 1-स्था०/77—इस कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या 259/77 दिनांक 24-9-1977 जो स्थापना आदेश सं० 327/77 दिनांक 8-12-1977 के द्वारा संशोधन किया गया के अनुसार निम्नलिखित निरीक्षकों को रू० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों सहित के वेतन मान पर स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क श्रेणी "बी" के रूप में पदोन्नत किया गया, के अनुसरण में उनके नाम के सामने दिए गए स्थान, तिथि और समयानुसार कार्यभार ग्रहण किया :-

क्रम सं०	नाम	पदस्थापन के स्थान	कार्य-ग्रहण तिथि
1	2	3	4
1.	श्री सी० डी० नाथ	अधीक्षक (तक०) सीमा शुल्क (मु०) पटना	19-12-77 (पूर्वाह्न)

1	2	3	4
2.	श्री सी० एस० सिन्हा	अधीक्षक (नि०) केन्द्रीय उत्पाद, लहेरियासराय	12-12-77 (पूर्वाह्न)
3.	श्री डी० एन० सिंह	अधीक्षक (छुट्टी/ (रिजर्व) सीमा शुल्क, (मुख्यालय) पटना	30-11-77 (पूर्वाह्न)

ह/-

अपठनीय

समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद,

कानपुर, दिनांक 16 फरवरी 1978

सं० 5/78—श्री पी० एस० तिवारी निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" वेतन मान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नति के फलस्वरूप देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-555-ई० टी०/62/57608 दिनांक 8-12-1977 के अन्तर्गत निर्गम कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए०-410-77 दिनांक 8-12-1977 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर के पद का कार्यभार दिनांक 9-12-1977 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

के० पी० आनन्द, समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० 11 टी० आर० (12)/17—नौवहन महा निदेशक ने श्री बी० के० दास को 1 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में स्थानापन्न फोरमैन प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

सं० 11 टी० आर० (13)/77—नौवहन महानिदेशक ने, श्री एच० के० मजुमदार को 1 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय कलकत्ता में स्थानापन्न फोरमैन प्रशिक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

के० एस० सिधू, नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० क-19012/579/76-प्रशासन पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद् द्वारा केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान-शाला, पूणे के श्री सुरेश कुमार जैन, सहायक अनुसंधान

अधिकारी (इंजीनियरी-मेकैनिक्ल) द्वारा दिये गये त्याग पत्र को 2 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से स्वीकार करते हैं।

जितेन्द्र कुमार साहा,
अवर सचिव

निर्माण, आवास, पूर्ति एवं पुनर्वासि मंत्रालय

पुनर्वासि विभाग

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

पुनर्वासि भूमि उद्धार संगठन

जेपुर-764003, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० पी० एफ०/जी० 69-4704 पी०—श्री एन० बी० रतनम को केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर दिनांक 21-1-1978 के पूर्वाह्न से सहायक अभियंता के पद पर 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में अगला आदेश जारी होने तक पुनर्वासि भूमि उद्धार संगठन में नियुक्त किया जाता है। उपर्युक्त दिन से 2 वर्ष की अवधि के लिये उन्हें परिवीक्षा पर रखा जाता है।

2. श्री रतनम ने दिनांक 21-1-1978 के पूर्वाह्न से पुनर्वासि भूमि उद्धार संगठन के यूनिट-6 कोल्लीगल (जिला मैसूर-कर्नाटक) में सहायक अभियंता के पद का कार्यभार संभाला।

एम० पट्टनायक
ले० कर्नल (सेवा निवृत्त)
मुख्य यांत्रिक अभियंता

सवारी डिब्बा कारखाना

महा प्रबन्धक का कार्यालय

कार्मिक शाखा/शैल

मद्रास-38, दिनांक 20 फरवरी 1978

सं० पी० बी०/जी० जी०/9/विचित्रII—श्री एम० एन० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी/फर० (श्रेणीII) को 10-12-1977 से उप वित्त सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी के पद पर वरिष्ठ लेखा अधिकारी/महा नगर परियोजना (ब० वे०) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री सी० एस० वेंकटरामन, सहायक भंडार नियंत्रक (श्रेणी-II) को 1-12-1977 से 5-1-1978 तक उपभंडार नियंत्रक (क० प्र०) के पद पर जिला भंडार नियंत्रक/महानगर (ब० वे०) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया। 5-1-1978 के अपराह्न को उन्हें दक्षिण रेलवे में स्थानान्तरित किया गया।

श्री मुहम्मद खाजा मोहिदीन, मुख्य अभिकल्प सहायक (श्रेणी-III) को, जिन्हें सहायक यांत्रिक इंजीनियर के श्रेणी II पद पर पदोन्नति के लिए पैनल में रखा गया 2-1-1978 से महानगर परियोजना सेल के लिए मंजूर सहायक यांत्रिक इंजीनियर/अभिकल्प के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री के० पी० चन्द्रशेखरन, स्थानापन्न वरिष्ठ पद्धति विश्लेषक/भंडार (व० वे०) को 5-1-78 के अपराह्न से उप भंडार नियंत्रक/महानगर परियोजना के रूप में कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री सी० आर० राधाकृष्णन, स्थानापन्न कर्मशाला प्रबन्धक बिजली (व० वे०) 15-1-1978 के अपराह्न को स्वेच्छा-पूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

श्री वी० सुब्रमणियन स्थानापन्न जिला भंडार नियंत्रक (व० वे०) दक्षिण रेलवे ने स० डि० का० में भर्ती रिपोर्ट पेश की और उन्हें 16-1-1978 को स्थानापन्न सांख्यिकी प्रक्रम प्रबन्धक (व० वे०) के रूप में तैनात किया गया।

श्री एस० चिदंबरम, सहायक बिजली इंजीनियर/निरीक्षण को 27-1-1978 से कर्मशाला प्रबन्धक/बिजली के रूप में वरिष्ठ वेतनमान में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री डी० सालोमैन, अपर भंडार नियंत्रक (व० प्र० लेवल II) को 28-1-1978 के पूर्वाह्न को दक्षिण रेलवे में स्थानान्तरित किया गया।

श्री वी० सत्यमूर्ति, स्थानापन्न उप भंडार नियंत्रक (कनिष्ठ प्रशासनिक) ने दक्षिण रेलवे से स्थानान्तरित होकर स० डि० का० में भर्ती रिपोर्ट पेश की और उन्हें 28-1-78 से अपर भंडार नियंत्रक (वरिष्ठ प्रशासनिक लेवल II) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

मु० वेंकटरामन,

उप मुख्य कार्मिक अधिकारी
कृते महा प्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री सेलव विनायगर मुरुगन टेकस्टाइलस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 20 जुलाई 1977

सं० 3443/560 (3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री सेलव विनायगर मुरुगन टेकस्टाइलस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री रंगनातन मोटार सर्विस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास दिनांक 27 जुलाई, 1977

सं० 4119/560 (3)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री रंगनातन मोटार सर्विस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सहायम ट्रान्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 15 फरवरी 1978

सं० 4032-560 (5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि सहायम ट्रान्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० अश्वयुतन

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

मैसर्स सिधारथा पब्लिकेशनस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत नोटिस।

दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० कम्पनी लिखि०/2116/2726—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 3-11-1977 के आदेश से मैसर्स सिधारथा पब्लिकेशनस प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापित होना, आदेशित हुआ है।

आर० के० अरोड़ा,

सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार

दिल्ली एवं हरियाणा

“कम्पनी अधिनियम 1956 और गुरमीत

कन्सट्रक्सनस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० जी० स्टेट/560/3229—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गुरमीत कन्सट्रक्सनस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इस

के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

साय प्रकाश तायल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० एफ० 48 ए० डी० (ए० टी०)/77-भाग II—श्री एम० के दलवी, जो आयकर अपील अधिकरण के उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक हैं, जिन्हें श्री सी० एल० भनोट, सहायक पंजीकार, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली के स्थान पर अवकाश रिक्ति में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ नई दिल्ली में दिनांक 14-11-77 से 13-1-1978 तक इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28-11-1977 द्वारा स्थानापन्न रूप से आरम्भ में नियुक्त किया गया था और तदन्तर उसी क्षमता में आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में श्री सतपाल, सहायक पंजीकार, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली के स्थान पर अवकाश रिक्ति में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक

14-1-1978 से 10-2-1978 तक कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, को अब आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में श्री आर० सी० श्रीवास्तव, सहायक पंजीकार (अब सेवा निवृत्त), आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई के स्थान पर तदर्थ आधार पर उस दिनांक से जिससे वे कार्य-भार ग्रहण करते हैं, सहायक पंजीकार के पद पर रु० 650-30-740-35-810—द० री० 35-880-40-1000 द० री० 40-1200 के वेतनमान पर अस्थायी रूप में अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एम० के० दलवी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं उसी श्रेणी में न तो बरीयता के अभिप्राय से परिमाणित की जायगी और न उससे निकटतम उच्चतर श्रेणी में पदोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।
पी० डी० माथुर,
अध्यक्ष

कार्यालय आयकर आयुक्त दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1978

आयकर विभाग

फा० सं० को आई०/पब०/दिल्ली/बी०/76/77—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 287 की उपधारा (1) और वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 10-8-77 के आदेश का अनुसरण करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली लोक हित म उचित समझकर उन निर्धारितियों के नामों तथा अन्य विवरणों को प्रकाशित करते हैं जिन पर वित्तीय वर्ष 1976-77 के दौरान कम से कम 5,000 रु० की पेनल्टी लगाई गई थी।

क्रम सं०	नाम और पता	हैसियत	निर्धारण वर्ष	धारा	राशि (रु०)
1. 22-022 सी० टी० 9846	मोबिल वर्क्स (पी) लिमिटेड लिमिटेड माडल टाउन दिल्ली	प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी	72-73	271 (1) (ए०)	5,000

क० न० बुटानी
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 20-2-1978

फा० सं० को आई०/पब्लि०/सी० आई० टी०-2/डी/76-77 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 287 के अन्तर्गत दिनांक 26-12-1970 के भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के आदेशों का अनुसरण करते हुए, जिसके द्वारा ऐसा करने के लिए प्राधिकृत किया गया है, आयकर आयुक्त दिल्ली-1 उन निर्धारितियों के नामों तथा अन्य विवरणों को प्रकाशित करते हैं जिनके मामलों में वित्तीय वर्ष 1976-77 के दौरान एक लाख रुपए से अधिक की आयकर की बकाया मांग को बढ़े खाते डाला गया था।

(एक) में “आई०” व्यक्ति की हैसियत का तथा “एच” हिन्दू अविभक्त परिवार का तथा “सी०” कम्पनी का सूचक है तथा (दो) में कर निर्धारण वर्ष (तीन) में बढ़े खाते डाली गई मांग (चार) में बढ़े खाते डालने के संक्षिप्त कारण बताए गए हैं।

(1) 22-00-सी० एक्स-1168/डी० एल० आई० कं० सकिल-8, नार्दन इंडिया लैण्ड एंड फाइनैस (प्राईवेट) लिमिटेड माडल बस्ती दिल्ली (एक) सी० (दो) 1961-62 से 1964-65 (तीन) 1, 55,584 (चार) मांगी को अशोध्य समझा गया।

नोट :- किसी व्यक्ति से प्राप्त कर को बट्टे खाते डाल दिया गया है। इस कथन का अर्थ केवल यह है कि आयकर विभाग के विचार से प्रकाशन की तारीख को निर्धारित की जात परिसम्पत्तियों से उसे वसूल नहीं किया जा सकता। प्रकाशन का अर्थ यह नहीं है कि राशि कानून अशोध्य है अथवा निर्धारित प्रसंगाधीन राशि की अदायगी करने के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है :

फा० सं० को०/पब्लि०/दिल्ली-2/ई/76/77—नीचे उन व्यक्तियों तथा हिन्दु अविभक्त परिवारों के नाम की सूची दी गई है, जिनका निर्धारण वित्तीय वर्ष 1976-77 के दौरान 10 लाख रुपए से अधिक के धन पर हुआ है।

(एक) में "आई०" व्यक्ति की हैसियत का तथा "एच०" हिन्दु अविभक्त परिवार का सूचक है तथा (दो) में कर-निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणी में दिखाया

गया धन (चार) में कर-निर्धारित धन (पाँच) में निर्धारित द्वारा देय कर (छह) में निर्धारित द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है :-

- (1) 22-010-पी० क्यू०-2132/डी० एल० आई०/कं० सर्किल-1 चरनजीत सिंह, मोहन सिंह बिल्डिंग, कनाट लेन, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 75-76 (तीन) 28,98,200 (चार) 28,98,200 (पाँच) 1,51,856 (छह) 1,51,856 (2) 22-020 पी० बी०-2144/डी० एल० आई०/कं० सर्किल-1 लाज कौर, मोहन सिंह बिल्डिंग, नई दिल्ली (एक) आई० (दो) 75-76 (तीन) 14,24,770 (चार) 16,25,300 (पाँच) 50,024 (छह) 50,024।

ए० सी० जैन
आयकर आयुक्त, दिल्ली-2

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश नं० जी० आई० आर० नं० 64-पी०/अर्जन :—अतः,
मुझे अमर सिंह बिशेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 29 तथा 47/11 है, तथा जो विधान
सभा मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 2-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्री उत्तम चन्द्र ग्रहूजा बिशन चन्द्र ग्रहूजा 3
ए मुरलीगल लखनऊ

(अन्तरक)

(2) श्री पृथ्वी राज दूबे अन्य नेवली सुगर फैक्टरी एटा
फैडरल बैंक लि०

2. क्राम्पन व्हील कम्पनी लि०

3. हिन्दुस्तान कपूर लि०

4. टी० एन० नरुला

5. एन० एम० भट्टाचार्या

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता इमारत पुस्तक चार मंजिली अमलामय आराजी
नम्बरी 29 व नगर महापालिका नम्बरी 47/11 वस्तिनय
एक किता दुकान पुस्तक छत तक पैमायसा लम्बान चौवन फुट
चौडान 17.3 इंच जिसमें इस समय रीटा सू कम्पनी है तथा
जो विधान सभा मार्ग आना हुसनेगंज शहर लखनऊ में स्थित
है तथा वह सम्पत्ति जो सेल डीड तथा फार्म 37 जी० नं० 1802
में वर्णित है जोकि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक
2-6-77 को दर्ज है।

अमर सिंह बिशेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 16-2-78

मोहूर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अ० रें०-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी० 26/ अ० रें०-4 / कल० 77-78 —

अतः मुझे, पी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 34 जी० है, तथा जो वीप्लवी बरीण घोष सारणी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुजाल कुमार घोष

(अन्तरक)

(2) मैसर्स डीको कार्बन एण्ड रीबन मै० प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का कुल माप 11 क० 3 छ० 20 वर्गफीट है जो मकान नं० 34 जी०, विप्लवी बरीण घोष सारणी, कलकत्ता-67 (पहले—मुरारी पुरुर रोड), थाना-मानिक तल्ला दलील सं० 2951 सन्—1977।

पी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 15-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी० 28/अ० रे०-IV/कल०/77-78—

अतः, मुझे पी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38-जी०, है तथा जो विप्लवी बरीज घोष सारणी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—
496GI/77

(1) श्री कल्याण कुमार देव

(अन्तरक)

(2) मेंसर्स डीको कार्बन एण्ड रीबन मै० प्रा० लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का कुल क्षेत्र 11 क० 1 छ० 10 वर्गफीट है जो 24 जी०, विप्लवी बरीज घोष सारणी, (पहले-मुरारी पुर रोड) धाना - भानिकतल्ला, कलकत्ता, स्थित है। दलील सं० 2953 सन् 1977।

पी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4, कलकत्ता

तारीख : 15-2-1978

मोहर :

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी० 29/ अ० रे०-4/ कल०/ 77-78 —

प्रतः, मुझे, पी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 38-जी०, है तथा जो विप्लवी बरीण घोष सारणी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सैबल कुमार देव

(अन्तरक)

(2) मैसर्स डीको काबन एंड रीबन मै० प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का कुल क्षेत्रफल 5 क० 11 छ० 1 वर्गफीट है, जो मकान नं० 34-जी०, विप्लवी बरीण घोष सारणी (पहले मुरारी पुरुर रोड, कलकत्ता) थाना-मानिकतल्ला, कलकत्ता-67 दलील सं०-2952 सन् 1977।

पी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता।

तारीख : 15-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—-----

(1) श्री श्यामल कुमार देव

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशोक कुमार दास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1978

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० ए० सि० 30/अ० रें०-4/ कल०/ 77-78—
अतः, मुझे, पी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 34-जी० है, तथा जो बिप्लवी बारीण
घोष सारणी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 26-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्य की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थातः :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

34-जी०, बिप्लवी बारीण घोष सारणी (पहले मुरारी
पुर्कुर रोड), थाना-मानकितला, कलकत्ता-67 में अब स्थित
10 क० 5 छ० 10 स्क० फिट जमीन के सब कुछ जैसे के
1977 के दलील सं० 2950 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 15-2-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री स्वप्न कुमार देव

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशोक कुमार दास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी, 1978

निर्देश सं० ए० सि०-31/अर्जन रेंज-4/ कल०/77-78 —

अतः मुझे, पी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 34-जी० है तथा जो विप्लवी बारीण घोष
सारणी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रेमिसेस सं० 34-जी०, विप्लवी बारीण घोष सारणी, थाना-
मानकितल्ला, कलकत्ता-67 में अब स्थित 11 कट्टा 1 छटांक
40 स्क० फिट जमीन के सब कुछ जैसे के 1977 के दलील सं०
2954 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता।

तारीख : 15-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री शैबाल कुमार देब

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशोक कुमार दास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 फरवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० ए० सि० 32/अर्जन रेंज-IV/कल०/77-78—
अतः मुझे, पी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 34-जी० है तथा जो विप्लवी बारीण घोष सरणी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रेमिसेस सं० 34-जी०, विप्लवी बारीण घोष सरणी (पहले मुरारी पुरुर रोड) थाना मानिक-तल्ला, कलकत्ता-67 में अवस्थित 5 कट्टा 6 छटांक 30 स्क० फिट जमीन के सब कुछ, जैसे के 1977 के दलील सं० 2955 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

पी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 15-2-1978

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री अभिय कुमार घटाजी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री मनी गोपाल तालुकदार और श्रीमती मलीना प्रभा तालुकदार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सि० 36/अ० रें०-IV/कल०/ 77-78—

अतः मुझे पि० पि० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 187-ए है, तथा जो राजा दीनेन्द्र स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शियालदाह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 कट्टा 1 छटांक 31 स्क० फिट जमीन तथा उस पर चार भंजिला मकान, 187-ए, राजा दीनेन्द्र, स्ट्रीट, थाना डलटाछांगा कलकत्ता जैसे के 1977 के दलील सं० 599 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।),

पि० पि० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 18-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती पि० अन्नपूर्णम्मा वैजाग

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गीतमी सपलैस श्री जि० वीरराजु राजमन्नी
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

काकिनाडा, दिनांक 23 जनवरी, 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

सं० 575 —यतः, मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

और जिसकी सं० 27-10-24 है, जो वैजाग में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 18-6-77

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

विशाखापटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-
6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1706/77 में निगमित अनुसूची
संपत्ति।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

प्रतः प्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 23-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० 576—यतः, मुसे एन० के० नागराजन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 584, 584/1 और 2 है, जो नूजिवीडु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नूजिवीडु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती पि० वेंकटा नागरत्नम्मा नूजिवीडु

(अन्तरक)

(2) श्री एन० कृष्ण मूर्ति एल० आर० आफ लेट बालकोटय्या नूजिवीडु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नूजिवीडु रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1470/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 23-1-68
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 23 जनवरी 1978

अं० 577 -- अतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 26-15-14 है, जो वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विसाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) 1. श्री के० सत्यनारायण
2. श्रीमती के० सीतारतनम
3. श्री के० वीरबद्राराध विसाखापटनम
4. श्रीमति बि० चिट्ठिमणि
5. श्रीमति बि० नागमणि पालकोंडा ।
5. के० संकरराव
7. के० सचितानंदा
8. के० सुन्दर
9. के० सत्यनाराण
10. के० रामा शेषु
11. के० लक्ष्मनराव
12. के० सूर्यराव विशाखापटनम
13. के० वीरबद्राराव
14. के० नरसिंगराव
15. के० वीराचयूलू
16. के० विजयलक्ष्मी

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटराव विसाखापटनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विसाखापटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1841/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 23-1-68

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० 578—यतः, मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन गलत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिगाका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 26-15-14 है, जो बैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विमाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भारतीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री के० सत्यशाराण
2. श्रीमती के० सीतारत्नम
3. श्री के० श्रीधरराय विमाखापटनम
4. श्रीमती बि० चिट्ठिमणि
5. श्रीमती बि० नागमणि पालकोंडा
6. के० संकरराव
7. के० सचितानंदा
8. के० सुन्दर
9. के० सत्यशारायण
10. के० रामा शेणु
11. के० लक्ष्मणराव
12. के० सूर्यराव विमाखापटनम
13. के० श्रीरवद्राराव
14. के० नरसिंगराव
15. के० श्रीरावयूलू
16. के० विजयलक्ष्मी
17. के० जयनागमल्लिस्वा जूनाराव

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटराव विमाखापटनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विमाखापटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1883/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 23-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री महमद हनीफ बाशा सिक्काकुलम

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 25 जनवरी 1978

सं० 579—यतः, मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10-5-30 है, जो श्री काकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री काकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) 1. श्री के० वेंकटरामण

2. श्री वि० गोविंदराव सिक्काकुलम

(अन्तरिती)

(3) श्री पि० लक्ष्मीनारायणराजु सिक्काकुलम ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

श्रीकाकुलम रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2075/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 25-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 25 जनवरी 1978

सं० 580 :—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 33-1-12 है, जो वैजाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विसाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रस्तावित:—

- (1) 1. श्री एररोतु सिमहायलम
2. मरियाबास विसाखापटनम
3. एररोतु राजेस्वरराव

(अन्तरक)

- (2) श्री जि० कृष्णाराव, विसाखापटनम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्फुटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विसाखापटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 15-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1620/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकिनाडा,

तारीख : 25 जनवरी 1978

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 25 जनवरी, 1978

सं० 581 :—यतः, मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12-23-73 है, जो अनकापल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनकापल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री के० लक्ष्मी (2) के० नरसिंग राव (3) के० प्रमोद कुमार (4) के० विनयकुमार (5) के० सिब-कुमार (6) के० नर्माता (7) के० वधेयता अनकापल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० वेंकटासत्यावरहा रामाचन्द्राराव
2. के० जोगेस्वरराव अनकापल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनकापल्ली रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2953/77 में निगमति अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 25 जनवरी 1978 ।

मोहर :

अरूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) डाक्टर एन० पांडुरंगाबाई, मद्रास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 30 जनवरी, 1978

सं० 582 :—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सेंट है, जो मंगलगिरि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलगिरि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :—

(2) डाक्टर सि० एच० कृष्णवरप्रसादा
डाक्टर वि० चन्द्रावति मंगलगिरि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंगलगिरि रजिस्ट्री अधिकारी के पौक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1038/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 30-1-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० 583—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख 'अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-14-3 है, जो काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किय जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा के लिये।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री के० कृष्णशर्मा, (2) के० राजम्मा (3) के० प्रफुल्लाचन्द्र (4) के० नागेश्वरराव (5) के० प्रभाकर, (6) के० रामारानी मद्रास (अन्तरक)

(2) श्री एस० श्रीरामामूर्ति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पंक्षिक अंत 30-6-77 से पंजीकृत दस्तावेज नं० 3127/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकिनाडा

तारीख : 4 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० 584---यत, मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 494/3 ए और 512/1 है, जो कोत्तालंका
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुम्मिडिवरम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में रही करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, स्थान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री सि० एच० वीरराजु हैदराबाद

(अन्तर्ज्ञ)

(2) श्री वि० जगगराजु गंगलाकुन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मुम्मिडिवरम रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-6-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1237/77 में निगमति अनुसूची
संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 4 फरवरी 1978

मोहर:

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० नं० 585 :—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 34-5-56 है, जो काकिनाडा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में, और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-6-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
5-496 GI/77

- (1) 1. श्री पि० वेंकटनासयण
2. पि० मानिक्यालराव
3. पि० कातागव (1) पि० कृष्णमूर्ति, काकिनाडा
(अन्तरक)
- (2) श्री पि० मन्यनागयण मूर्ति, काकिनाडा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जागे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पॉक्षिक अंत 15-6-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2482/77 में निगमति अनुसूची।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 4 फरवरी 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० 586—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12-162-166 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमो करने या उभसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गतों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जन —

(1) श्री एम० तिरुमला रेड्डी, गुन्टूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एरया, कनू ल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-6-77 पंजीकृत दस्तावेज नं० 3265/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 4-2-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री सि० एच० सुशीलाराय, काकिनाडा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 4 फरवरी 1978

सं० 587--प्रतः मुझे, एन०के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 10-4-36 है, जो काकिनाडा में स्थित
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
29-6-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(2) श्रीमती आकुल सावित्री देवी, काकिनाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-
77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3221/77 में निगमित अनुसूची
संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 4-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० नं० 588--यतः मुझे, एन० के० नागराजन,¹

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-25-292 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने की सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

(1) 1. टि० सुसीलम्मा, (2) टि० अरुनकुमारी, टि० परमीला, (4) टि० सत्यनारायण, (5) टि० वेंकटा-सुब्बम्मा, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) 1. जे० भास्कर राव, (2) जे० नलिन नीराजन राव (3) जे० सिवराम कृष्णन प्रसाद, (4) जे० हरि-प्रभाकरराव, (5) जे० गंगाधरराव, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) श्री एम० अंकमसेठूरी, विजयवाड़ा।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोद्धताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1658/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-2-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० 589—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 39-11-4 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-6-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

- (1) श्रीमती के० वेंकटारतनम्मा, विजयवाड़ा-10.
(अन्तरक)
- (2) श्री एन० रत्नय्या, विजयवाड़ा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-77
में पंजीकृत दस्तावेज सं० 1437/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-2-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बोडि वेंकटा हनुमंतराव, गुन्दूर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० श्रीनिवासराव, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

[काकीनाडा, दिनांक 7 फरवरी 1978]

सं० 590—यतः, मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 33-22-7 है, जो गुन्दूर में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्दूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3320/77 में निगमित अनुसूची संमति।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 7-2-78

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्री के० गापालाकृष्णन मूर्ती, तेनाली । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० सीताराम रेड्डी, गुंटूर ।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज, काकीनाडा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

काकीनाडा, दिनांक 7 फरवरी 1978

सं० नं० 591:—यतः मुझ, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० सौट है, जो गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1-6-77

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने के लिये सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
प्रकट जाना बाह्य या खिवात में सुविधा के लिये;

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-77 में पंजीकृत
दस्तावेज नं० 2648/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7 फरवरी 1978 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 592—यत्, मुझे, एन० के० नागराजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 432-1 बी० है, जो पेदकाकानी विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती 1. एन० सेषम्मा, (2) एम० साम्राज्यम्मा, (3) जि० अक्षपूर्णन्मा टेक्कलापाडे ।

(अन्तरक)

(2) 1. एल० एस० गोपालन, (2) बि० एच० गगिरेडु (3) श्री० वेकटारेडु, (4) बि० एच० अथपरेडु, (5) श्री० बि० यलमारेडु, (6) टि० नारायणरेडु, गुन्टूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3084/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 9-2-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री एम० सेशगिरिराव, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० कनकय्या, गुंटूर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्री के० बी० रतनम, गुंटूर ।

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है) ।

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 फरवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

सं० नं० 593—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-12-72 है, जो गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—496 GI/77

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3262/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

एन० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 9-2-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० नं० 594:—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 5-21-72 है, जो ओडीपटा, गुन्दूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्दूर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-6-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एन० सेवगिरिराव, विजयवाड़ा ।

(अन्तरकों)

(2) श्री के० वेंकटराजनम, गुन्दूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गुन्दूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत
दस्तावेज नं० 3275/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

एम० वी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 9 फरवरी, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० नं० 595—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1, टि० एस० 14 है, जो अनकापल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनकापल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पत्नी :—

1. कोपरेटीव सेन्ट्रल बैंक लिमिटेड, विजयनगरम :

(1) पि० लक्ष्मीनरसिंह राजु, विजयनगरम (प्रेजिडेंट),

(2) के० कन्नय्या, अनकापल्ली (सेक्रेटरी), (3)

वि० सोमेश्वरराव, चोडवरम (सेक्रेटरी)।

(अन्तरक)

2. (1) श्री अमबालाल पटेल, (2) श्री हीरालाल पटेल, अनकापल्ली।

(अन्तरिती)

4. (1) ऐ० सन्यासिराव, अनकापल्ली, (2) तहसिल-दार, अनकापल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनकापल्ली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2517/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
एम० बी०, अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 9-2-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 596—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 27-7-60 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1977 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती के० वेंकटरत्नम्मा, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जि० जगन्नाधाराव, (2) जि० धनप्रसादराव,
(3) जि० सुब्बाराव, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1601/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 9-2-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 597—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 7-5-2 है, जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-6-77,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उन्धारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती के० गायत्री, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती टि० संकुनतला, काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2645/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 9-2-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 598—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 31-16-9 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-6-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्ड आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधाबाचारी श्रीनिवासन, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० पद्मावति, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-बद्ध किसी भण्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1395/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 9-2-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० 599—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 24-8-13 है, जो दुर्गापुरम, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री पि० सत्यन्नायणराजु, (2) पि० वेंकटपतिराजु, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) सि० एच० टिळमलराव, (2) सि० एच० नरसिंगराव, (3) सि० एच० रमेश, (4) श्रीमति सरोजनम्मा, (5) सि० एच० अरुणकुमार, (6) सि० एच० अमरकुमार, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1831/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 13-2-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० नं० 600:—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9-1-23 है, जो राजमन्ड्री में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्ड्री में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पी० नरसिंहाराव, (2) श्री पी० श्रीमन्तारामण, (3) श्रीमती पी० लक्ष्मीनरसम्मा, (4) श्रीमती टी० अम्मा-कुसुमकुमारी, (5) के रामाराव, (6) जी० तायारम्मा, (7) के० रंगनायकुलु, (8) के० नागबैकटा सत्यसाई कृष्णराव, (6) के० सुन्दर रत्न नागेश्वरराव, राजमन्ड्री।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीचन्द, राजमन्ड्री।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्ड्री रजिस्ट्री अधिकारी से तौक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2441/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० बी० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 13-2-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० 60:—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 46-10-36 है, जो राजमन्त्री में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्त्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-6-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्म प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तिथी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रस्तावित :—

7-496GI/77

(1) श्रीमती टि० लीनाधवेनि, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बि० राजराजेश्वराराव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

राजमन्त्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2129/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 13-2-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० 602—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० 46-10-36 है, जो राजमन्डी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, राजमन्डी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-6-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती डि० लीनाधा वेणि, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बि० अमरांबा, राजमन्डी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

राजमन्डी रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-77
में पंजीकृत वस्तावेज नं० 2131/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

एम० बि० अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 13 फरवरी, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री टि० एगनबलकप्रसाद, नरसपुर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

2) (1) श्री सिकिली पेरसीफाल, (2) डेविड प्रभाकर,
नरसपुर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 फरवरी 1978

सं० 610—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और

और जिसकी सं० 9-5-54 है, जो नरसपुर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नरसपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

नरसपुर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1445/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 16 फरवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 फरवरी 1978

सं० 611—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 204 है, जो चिटयाला में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बेगेस्वरपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-6-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री 1. एन० वीरराजु, 2. एन० श्रीनिवासराव
गज्जवरम।

(अन्तरक)

(2) श्री तनाला सत्यन्नारायण, चिटयाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बेगेस्वरपुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 393/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 16 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

(1) श्री जवहरि लाल कीमजी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) 1. श्री जयन्तिलाल वषम पटेल, 2. नडवरतलाल वषम पटेल ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

कोचीन-15, दिनांक 14 फरवरी 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं० एल० सी० 170/77-78--यसः मुझे, सी० पी० ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो मट्टानचेरी में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोचीन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-1977

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

15 Cents of land with buildings in Sy. No. 498/4 of Mat-tarcherry Village.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सी० पी० ए० वासुदेवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 14-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री अब्दुल रसाक ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

(2) 1. श्री एस० के० नूरुद्दीन, 2. एस० के० अहमद
शराफ ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 14 फरवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० एल० सी० 171/77-78—यतः मुझे, सी० पी०
ए० वासुदेवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पालक्काड में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालक्काड में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-6-
1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के प्रयोग निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

49.5 Cents of land with buildings in R. Sy. No. 2566 in
Robinson Road, Palghat.

सी० पी० ए० वासुदेवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 14 फरवरी 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 15 फरवरी 1978

निदेश सं० एल० सी० 172/77-78—यतः मुझे, सी० पी० ए० वासुदेवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो लोकमलेश्वरम विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडुंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 जून, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एम० के० कोबूमोयिदीन हाजी ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० ए० अबदूल लतीफ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10.5 cents of land with buildings in Kodungallur Panchayath.

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 15-2-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 110/बी टी आई/77-78:—यतः, मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,
1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की नाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री देस राज कुमार गौशाला
रोड़, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किशना देवी परनी किशन लाल द्वारा रायल
टेलरज गौशाला रोड़, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में सितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गौशाला रोड़, फगवाड़ा पर स्थित मकान का 1/2 हिस्सा, जैसा
कि रजिस्ट्री न० 426 जून 1977 सब रजिस्ट्रार फगवाड़ा में लिखा
है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख: 14/2/78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 14 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 111/बी टी आई/77-78:-अतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई निम्न आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

8-496 GI/77

(1) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री देस राज कुमार द्वारा गौशाला
रोड़, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द पुत्र मेहर चन्द द्वारा रायल टेलरज
गौशाला रोड़, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गऊ शाला रोड़ फगवाड़ा में स्थित मकान का 1/2 हिस्सा
जैसा कि रजिस्ट्री नं० 540 जून 1977 सब रजिस्ट्रार फगवाड़ा में
लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 14/2/78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 112/बी टी आई/77-78:—यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बोहा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुढ़लाडा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जगदीश राय पुत्र श्री गिरधारी लाल बोहा, अब
मकान नं० 102 परी महल, काहत रोड़, शिमला।
(अन्तरक)

(2) श्री भुरा सिंह, गुरमेल सिंह, कपुर सिंह, अशन सिंह,
मेवा सिंह, सेवा सिंह, पुत्रान प्रितम सिंह पुत्र गज्जन सिंह
वासी बोहा (बुढ़लाडा)।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बोहा गांव में 80 कनाल और 11 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री
नं० 1003 जून 1977 सब रजिस्ट्रार बुढ़लाडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 16 फरवरी, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 113/बी पी/77-78—अतः, मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो तथा गुमटी कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फूल (भटिंडा) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राम कौर बिधवा करतार सिंह गांव गुमटी कलां तहसील फूल।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगेन्द्र सिंह, ठाकर सिंह, बंत सिंह पुत्रान दरबारा सिंह गांव गुमटी, कलां।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुमटी कलां गांव में 48 कनाल जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1642 जुलाई, 1977 सब रजिस्ट्रार में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 16 फरवरी, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 16 फरवरी 1978

निवेश सं० ए० पी० 114/बी पी/77-78-अतः, सुसे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भगता में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फूल (भटिंडा) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फयित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती धन कौर उर्फ निहाल कौर विधवा महंगा सिंह
गांव भगता तहसील फूल।

(अन्तरक)

(2) श्री अजमेर सिंह पुत्र अर्जन सिंह पुत्र नरथा सिंह गांव
भगता तहसील फूल।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भगता गांव में 59 कनाल 15 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री
नं० 1810 जुलाई, 1977 सब रजिस्ट्रार फूल में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16/2/78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० ए० पी० 115/बी टी आई/77-78—यतः, मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तखतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निहाल सिंह वाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री रण सिंह पुत्र प्रताप सिंह पुत्र चन्दा सिंह वासी तखतपुरा तहसील निहाल सिंह वाला द्वारा करतार सिंह पुत्र बरियाम सिंह वासी राजगढ़ रकबा धनौला डाक-खाना बरनाला जिला संगरूर।

(अन्तरक)

(2) श्री सज्जन सिंह, स्वर्ण सिंह पुत्रान संता सिंह पुत्र काला सिंह वासी बिलासपुर गांव तहसील निहाल सिंह वाला जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तखतपुरा गांव में 65 कनाल 5 1/2 मरले जमीन जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1122 जुलाई 1977 में लिखा है। सब रजिस्ट्रार निहाल सिंह वाला।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 16 फरवरी, 1978

मोहर :

प्रस्ताव आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 16 फरवरी 1978

निवेश सं० ए० पी० 116/बी पी/77-78—यतः, मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तखतपुरा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, निहाल सिंह वाला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रण सिंह पुत्र प्रताप सिंह पुत्र चन्दा सिंह गांव तखतु-
पुरा द्वारा करतार सिंह पुत्र वरियाम सिंह गांव सख्तगढ़
नजदीक धनौला जिला संगरूर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम सिंह पुत्र प्रताप सिंह पुत्र चन्दा सिंह गांव
तखतपुरा तहसील निहाल सिंह वाला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तखतपुरा गांव में 65 कनाल 1 3 1/2 मरले जमीन जैसा कि
रजिस्ट्री नं० 1119 जुलाई, 1977 सब रजिस्ट्रार निहाल सिंह
वाला में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सश्रम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, भटिंडा

तारीख : 16 फरवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 1 फरवरी, 78

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन / :—यतः मुझे एम०
पी० वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 27 है तथा जो पाली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्रीकर
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17
जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राजेन्द्र सिंह व प्रकाश सिंह पिसरान शिवजी-
सिंह माली कछवाहा सा० सोजत रोड़ सोजत लाहम
कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा चौधरी धर्म पत्नी श्री हरनारायणजी
चौधरी जाति जाट सा० अजमेर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 27, दुर्गादास कालोनी, पाली जिसका क्षेत्रफल
1200 वर्गगज है । जो उप पंजीयक , पाली द्वारा क्रम संख्या
27/77 दिनांक 17-6-77 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और अधिक
विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० पी० वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 1 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 1 फरवरी, 78

निर्देश संख्या राज०/ सहा० आ० अर्जन :—यतः, मुझे एम० पी० वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मनोहर भवन है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कु० जनक सिंह पुत्र मनोहर सिंह, चेटक सर्कल, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवत सिंह पिता शोभागा सिंह मेहता नि० मालदास स्ट्रीट, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चेटक सर्कल उदयपुर के पास स्थित मनोहर भवन जो उप पंजिक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1046 दिनांक 30-6-77 पर पंजिबध विक्रय पत्र में और अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 1 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 1 फरवरी 78

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन / :- यतः मुझे एम० पी० वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मनोहर भवन है तथा जो उदयपुर में स्थित है (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 जून, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—496GI/77

(1) श्री कु० जनक सिंह पुत्र मनोहर सिंह जी राजपूत नि० चेटक सर्कल, उदयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री दोलत सिंह पुत्र मोहन लाल गांधी नि० मालदास स्ट्रीट, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चेटक सर्कल के पास स्थित मनोहर भवन, उदयपुर जो और अधिक विस्तृत रूप से उपपंजीयक उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1045 दिनांक 24-6-77 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विवरित है।

एम० पी० वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 1 फरवरी 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 1 फरवरी 78

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन / :—यतः मुझे एम० पी० वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मनोहर भवन है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, क अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बात :—

(1) श्री कु० विजय सिंह पिता मनोहर सिंह राजपूत, गोविन्द भवन, उदयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री भगवत सिंह पुत्र शोभागसिंह महता नि० मालदास स्ट्रीट, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मनोहर भवन, चेतक सर्किल, उदयपुर जिसको और अधिक विस्तृत रूप से उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1363 दिनांक 16 अगस्त, 77 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 1 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 1 फरवरी 78

निर्देश संख्या राज०/ सहा० आ० अर्जन / :—यतः मुझे एम० पी० वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मनोहर भवन है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त, 1977 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

(1) श्री कु० विजय सिंह पिता मनोहर सिंह राजपूत निवासी गोविन्द भवन, उदयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रणजीत लाल पुत्र फतेहलाल जी चतुर निवासी मालदास स्ट्रीट, उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

चेतक सर्कल, उदयपुर के पास स्थित मनोहर भवन जो और अधिक विस्तृत रूप से उपपंजियक उदयपुर द्वारा क्र० सं० 1365 दिनांक 16-8-77 पर पंजियबद्ध विक्रय पत्र में विवरणित है ।

एम० पी० वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 1-2-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश सं० पी० आर० 547/ए० सी० क्यू० 23-1012/-6-1/77-78 :—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तीसरे मंजिले पर एक प्लॉट नं० 3-डी० है; तथा जो विश्वास कालोनी, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) मै० ए० एम० पटेल एण्ड कं० 205, यशकमल बिल्डिंग, स्टेशन रोड, बड़ौदा

(अन्तरक)

(2) डा० अशोक कुमार राजाराम प्रधान 10, नूतन भारत सोसायटी, वाडी वाडी बड़ौदा-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो तीसरे मंजिले पर प्लॉट नं० 3-डी० है जिसका कुल माप 1120 वर्गफुट है तथा जो अलकापुरी शापिंग सेंटर विश्वास कालोनी रेसकोर्स रोड बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के जून 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1539 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकरण ग्रांटी टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1978

निदेश सं० पी० आर० 548/ ए० सी० क्यू० 23-1013/
6-1/ 77-78 :—यतः मूझे, डी० सी० गोयल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पांच रुम वाला फ्लैट नं० 1-बी० पहले
मंजले पर है तथा जो विश्वास कालोनी रेम कोर्स रोड, बड़ोदा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुमुदकान्त तपीदास डाक्टर 72, उर्मी सोसायटी,
जेतलपुर रोड, बड़ोदा

(अन्तरक)

(2) डा० तपीदास मगनलाल (एच० यू० एफ०) कर्ता
कुमुदकान्त तपीदास डाक्टर 72 उर्मी, सोसायटी
जेतलपुर रोड, बड़ोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो कि पहले मंजले पर एक फ्लैट नं० 1-
बी है जिसका कुल माप 1120 वर्गफुट है तथा जो अलकापुरी
शापिंग सेन्टर विश्वास कालोनी आर० सी० रोड बड़ोदा में स्थित
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के जून 1977 के रजि-
स्ट्रीकृत विलेख नं० 1666 में प्रदर्शित है ।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-2-1978

मोहूरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1978

निवेश सं० 549/ए० सी० क्यू० 23-1014/19-7/77-78—

यतः मुझे, डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड नं० 4 नोंध नं० 581 है तथा जो बेगम-पुरा गोलवाड़ राना शेरी सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आश्रितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री काशीबेन जेकिशनदास केवलराम की विधवा बेगम पुरा, दानापीठ, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री सोमाभाई मोती राम, स्वयं तथा निम्न सगीरों के वाली :
सुरेश चन्द्र सोमाभाई
विनोद चन्द्र सोमाभाई
प्रवीन चन्द्र सोमाभाई
2. चन्द्र कान्त सोमाभाई
3. किशोरचन्द्र सोमाभाई, बेगमपुरा, गोलवाड़, राजाशेरी, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ब मकान जो बार्ड नं० 4 नोंध नं० 581 बेगमपुरा, गोलवाड़, राणाशेरी सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 134 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जून, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1148 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल,
सश्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 फरवरी 1978

निदेश सं० पी० आर० 550/ ए० सी० क्यू०-23-
1015/19-7/ 77-78 :—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड नं० 12 नोंध नं० 1703-बी० है, तथा
जो शाहपोर, पेस्टनजी वकील स्ट्रीट, सूरत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-6-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कासमभाई फकीर भाई रानी तलाब, टंकशाली-
वाड, सूरत
(अन्तरक)

(2) 1. श्री पीर मोहमद हुसेनभाई
2. अब्दुल रहीम हुसेनभाई
3. नुरमोहमद हुसेनभाई
4. फकीर मोहमद हुसेनभाई
5. गुलाम मोहमद, हुसेनभाई, रानी तलाब, टंकशाली-
वाड, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो बार्ड नं० 12 नोंध नं० 1703-बी० शाहपोर,
पेस्टनजी वकील स्ट्रीट, सूरत में स्थित है और जिसका कुल माप
169 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जून,
1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1067 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अजन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 8-2-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 फरवरी 1978

निदेश सं० चण्डीगढ़/64/77-78:---यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 77 सेक्टर 47-डी० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री निहाल चन्द पुत्र श्री आसा नन्द
2. श्रीमती शीला वन्ती पति श्री मोहन लाल
3. श्री राजेश कुमार पुत्र स्वर्गवासी श्री मोहन लाल
4. श्री महेश कुमार (नबालक)
5. कुमारी राशमा रानी
6. कुमारी अशमा रानी (नबालक) पुत्रीयां श्री मोहन लाल द्वारा श्रीमति शीला वन्ती, निवासी मकान नं० 3362 सेक्टर 27-डी०, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री भगवान सिंह ढिल्लों पुत्र श्री भजन सिंह
2. श्रीमति हरदयाल कौर ढिल्लों पति श्री भगवान सिंह ढिल्लों वकील निवासी जगराओं ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

2½ मंजला एस० सी० एफ० नं० 77 सेक्टर 47-डी० चण्डीगढ़ में है और जिसका क्षेत्रफल 114 वर्गगज है ।

“ सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन डीड नं० 757 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में 18-10-1977 को लिखी गई । ”

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 18-2-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 फरवरी 1978

निर्देश सं० नरवाना/2/77-78—अतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दो मंजिला दुकान जो उच्चाना अनाज मंडी के अन्दर है तथा जो उच्चाना तह० नरवाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—496 GI/77

(1) श्री लच्छमन दास पुत्र श्री प्रभू दयाल मै० प्रभूदयाल सज्जन कुमार उच्चाना मण्डी तह० नरवाना
(अन्तरक)

(2) श्री छोडू राम पुत्र श्री राम जी लाल मार्फत माहालक्ष्मी दाल मिलज उच्चाना मण्डी तह० नरवाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजली दुकान जो उच्चाना अनाज मण्डी में है और जिसमें आठ कमरे पहली मंजल और सात कमरे दूसरी मंजल पर है।

“ सम्पत्ति जैसे रजिस्ट्रेशन नं० 482 में दी है और 6-6-1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नरवाना में लिखा गया है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, रोहतक

तारीख : 17/18-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ख (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 फरवरी, 78

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/ 11343/77-78/ ए० सी०
 यू० (बी०) :—यतः, मुझे, जे० एस० राव,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० 33/2 ए है तथा जो आरमुगम मोदलियार
 लेन, कलासी पाल्यम बंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
 का 16) के अधीन, तारीख 11/6/77
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
 का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
 सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्रीमती सरोजम्मा पत्नी श्री डी० होरैस्वामी नायडू
 नं० 10/1, बुगली राक रोड, बेंगलूर-560004
 (अन्तरक)
- (2) 1. एम० डि० रफिक सुपुत श्री एम० डी० हनीफ
 2. एम० डि० सफीक सुपुत श्री एम० डी० हनीफ
 3. एम० डि० हनीफ सुपुत श्री एम० डि० जाफर
 नं० 25, चेरमन बांगल, बयंक स्ट्रीट, आंबूर एन०
 ए० डिस्ट्रिक्ट
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
 किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 536/77-78 ता० 11/6/77]
 सं० 33/2 ए, आरमुगम मोदलियार लेन, कलासीपालयम,
 बेंगलूर-560002।

बांध :

- उ० : रोड (फास रोड)
 द० : दूसरा का
 पू० : रोड, (आरमुगम मोदलियार लेन)।
 प० : दूसरा का।

जे० एस० राव,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22/2/78
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) डा० उदीपि आर० राव

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I बंबई

बंबई, दिनांक 17 फरवरी, 1978

निदेश सं० अ० इ० 1/2048/7-77 :—अतः मुझे एफ० जे० फर्नांडीज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 769 का बरली डिबिजन है तथा जो बरली इस्टेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-6-1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (2) श्री वसंत लाल सी० घटालिया (2) श्रीमती बी० प० घटालिया (3) श्रीमती सी० आर० घटालिया (4) श्रीमती पी० एस० शाह (5) कु० बी० एस० शाह (6) कु० आई० एस० शाह (7) डी० जे० हेमानी (8) एस० जी० हेमानी

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 858/75/बंबई उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 28-6-77 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फर्नांडीज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंबई

तारीख : 17 फरवरी 1978

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सहायक ग्रेड परीक्षा, 1978

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1978

सं० एक० 10/4/77 ई०-1 (बी०) :—भारत के राजपत्र दिनांक 11 मार्च, 1978 में गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ग्रहमवाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, खंडीगढ़, कोचिन, कटक, दिल्ली, दीसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 11 जुलाई, 1978 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए अनुबंध पैरा 11)।

2 इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं/पदों पर भर्ती की जाती है, उनके नाम और विभिन्न सेवाओं/पदों से संबंध रिक्रितियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित हैं :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) का सामान्य संवर्ग (सहायक) का ग्रेड IV—30 (इनमें 6 रिक्रितियाँ अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए और 3 रिक्रितियाँ अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।
- (ii) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड IV (सहायक)—6 (इनमें एक रिक्रित अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए और एक रिक्रित अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है)।
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड —150 (इनमें 22 रिक्रितियाँ अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए तथा 12 रिक्रितियाँ अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा का सहायक ग्रेड—87 (इनमें 13 रिक्रितियाँ अनुसूचित जातियों तथा 7 रिक्रितियाँ अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।
- (v) भारत सरकार के ऐसे अन्य विभागों, संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में सहायकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख) / रेल बोर्ड सचिवालय सेवा / केन्द्रीय सचिवालय सेवा / सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में सम्मिलित नहीं हैं—4 (इनमें एक रिक्रित अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए और एक रिक्रित अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है)।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या अधिक सेवाओं/पदों के संबंध में परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा—6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग-अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें :—उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में जिन सेवाओं/पदों के लिए वह विचार किए जाने का इच्छुक है, उनके संबंध में अपना वरीयता क्रम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। उसे यह सलाह भी दी जाती

है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उसनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता क्रम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली-भांति विचार किया जा सके।

आवेदन-पत्र में उम्मीदवार द्वारा आरम्भ में उल्लिखित सेवाओं/पदों के वरीयता क्रम में परिवर्तन से संबंध किसी भी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसा अनुरोध संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्रों की प्राप्ति के लिए आयोग द्वारा निर्धारित अंतिम तारीख को या उससे पूर्व प्राप्त न हो।

4 परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-पत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर, हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-पत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस नई दिल्ली-110011, को मनी-आर्डर या सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनी-आर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-पत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र पत्र सहायक ग्रेड परीक्षा, 1978 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सहायक ग्रेड परीक्षा, 1978 के लिए निर्धारित आवेदन-पत्रों से द्वितर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5 भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 24 अप्रैल, 1978 को या उससे पहले (24 अप्रैल, 1978 से पहले की तारीख से विदेशों में या अंशमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 8 मई, 1978 तक अवश्य पहुंचाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंशमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यहि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 24 अप्रैल, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंशमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

6 परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग की रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की पार्लियामेंट स्ट्रीट पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह " 051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क " के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता जब वह इस बात में संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रस्थापित मूलतः भारतीय व्यक्ति है, और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रस्थापित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है या वह नीचे की परिभाषा के अनुसार भूतपूर्व रैनिक है।

“भूतपूर्व रैनिक” का अभिप्राय उम्र व्यक्ति से है जिसने भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेना सहित संघ की सशस्त्र सेना (अर्थात् संघ की थल, जल और वायु सेना) में किसी भी रैंक में (चाहे गामरिक हो या असामरिक) 24 अप्रैल, 1978 के अभिप्रमाणन के बाद कम से कम छह मास की अवधि तक निरंतर सेवा की हो। किन्तु इसमें प्रथम राइफल्स, डिफेन्स सर्विजिटी कौर, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मु व काश्मीर मिलिशिया, लोक सहायक सेना और सीमांत सेना शामिल नहीं है।

(ii) जो निर्मुक्त हुआ हो यद्यपि कि ऐसी निर्मुक्ति दुराधार या अव्यवस्था के कारण पदच्युति या सेवा मुक्ति के रूप में न हो या ऐसी निर्मुक्ति के आशय से रिजर्व में स्थानांतरित न हुआ हो, अथवा

(iii) जिसको उपर्युक्त निर्मुक्ति या रिजर्व में स्थानांतरण का पात्र बनने के लिए 24 अप्रैल, 1978 को आवश्यक सेवावधि को समाप्त करने में अभी छह मास से कम सेवा करनी हो।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त उपबंध व्यवस्था का छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारों की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

आर० ए० गोयल, उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबंध

उम्मीदवारों की अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केंद्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ में ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोजता के द्वारा भेजा हो और

वह संघ लोक सेवा आयोग में धर से पहुँचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोजता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक वर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वह अपने आवेदन-पत्र को, उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियाँ निकाल कर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निविष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए।

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस का पैरा 6 और 7 तथा नीचे दिया गया पैरा 6)।

(ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० X 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ।

(v) जहाँ लागू हों वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(vi) जहाँ लागू न हों वहाँ आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (i)

(ii), (iii), (iv) और (v) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो गारंटर के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा-परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें परीक्षा के परिणामों की घोषणा के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा। परिणाम सम्भवतः दिसम्बर, 1978 में घोषित किए जाएंगे। उम्मीदवारों को अपने प्रमाण-पत्र तैयार रखने चाहिए और परीक्षा परिणाम की घोषणा के बाद शीघ्र ही आयोग को प्रस्तुत कर देने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं :—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाक घर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(2) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहाँ मैट्रिकुलेंटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उच्चतर विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित है।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट 1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु में संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बात की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(3) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट :—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठे हों जिसमें उत्तीर्ण होने पर वे आयोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक योग्यता प्राप्त कर लेंगे किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है और जो उम्मीदवार ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इरादा रखते हैं वे आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र नहीं होंगे।

(4) फोटो की दो प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 सें० सी० X 7 सें० सी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और अन्य प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नथी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही के हस्ताक्षर करने चाहिए।

16 ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), 3 (iv), 3 (v) और 3 (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमुख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) ग्रामतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में पदनामित किया हो नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो वह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए। जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से ग्रामतौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*
..... सुपुत्र/सुपुत्री* श्री
..... जो गांव/कस्बा*
..... जिला/
..... मंडल* राज्य
संघ/राज्य* क्षेत्र
के/की* निवासी हैं,

जाति/जन* जाति को/की* है जिस निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/
अनुसूचित जन जाति के रूप में मायता दी गई है :—
संविधान (अनुसूचित जातियों) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियों) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

(अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों सूची (संशोधन)
आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधि-
नियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तरपूर्वी
क्षेत्र पुनर्गठन, अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन
जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*

संविधान (अंशमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश,

1959* ।

अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम,

1976 द्वारा यथा संशोधित ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोवा, दमन और दिवु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोवा, दमन और दिवु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970* ।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*

. और/या* उनका परिवार ग्राम
तौर से गांव/ कस्बा*

. जिला/संजल*

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र
में रहे/रहती* है ।

हस्ताक्षर

**पदनाम

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान

तारीख

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू हों, उन्हें कृपया काट दें ।

नोट :—यहाँ “ग्राम तौर से रहे/रहती है” शब्दों का अर्थ यही होगा
जो रिप्रेजेंटेशन आफ वि पीयुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में
है ।

*जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी ।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर/
ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का
स्टाफ़पेडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल
मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एग्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा
मैजिस्ट्रेट कमिशनर ।

† (प्रथम श्रेणी के स्टाफ़पेडरी मैजिस्ट्रेट के अह्दा से कम नहीं) ।

(ii) चीफ़ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ़ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/
प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट ।

(iii) रेवेन्यू अफसर, जिनका अह्दा तहसीलदार से कम न हो,

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/
या उसका परिवार ग्राम तौर से रहता हो ।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर
लक्षद्वीप]

(5) (क) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले
लोअर डिवीजन क्लर्कों/अपर डिवीजन क्लर्कों/स्टेनोग्राफर ग्रेड घ को अपने
विभाग/कार्यालय के प्रधान से निम्नलिखित प्रपत्र पर एक प्रमाण-पत्र मूल रूप
में प्रस्तुत करना चाहिए :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
से के कार्यालय में
के पद पर नियमित आधार पर सेवा कर रहे/रही है ।

हस्ताक्षर

पदनाम

तारीख

(ख) नियम 6 (ग) (ii) अथवा 6 (ग) (iii) के अन्तर्गत आयु में
छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले
भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को
निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभि-
प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए
कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित
व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में
प्रजनन कर भारत आया है ।

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों
में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट;

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय निवास कर रहा
है;

(3) संबंध जिलों में शरणार्थी पुनर्वासि कार्य के प्रभारी अतिरिक्त
जिला मैजिस्ट्रेट;

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबंध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल
अफसर;

(5) उप शरणार्थी पुनर्वासि आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वासि),
कलकत्ता ।

(ग) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च प्रायुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है, जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(घ) नियम 6 (ग) (vi) अथवा 6 (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति का भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(ङ०) नियम 6 (ग) (viii) अथवा 6 (ग) (ix) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मन्त्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ है।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैंक नं० श्री रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
तारीख _____

* जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(च) नियम 6 (ग) (x) या 6 (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मन्त्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैंक नं० श्री सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी

कार्रवाई में विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____
पदनाम _____
तारीख _____

(छ) नियम 6 (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(ज) नोटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व सैनिक को अपने भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाण स्वरूप, थल-सेना/वायु सेना/नौ-सेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए कार्य-मुक्ति प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। उक्त प्रमाण-पत्र में उसके सशस्त्र सेनाओं में भर्ती की सही तारीख तथा सशस्त्र सेनाओं में से उसकी निर्मुक्ति अथवा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की तारीख अथवा सशस्त्र सेनाओं से उसकी निर्मुक्ति अथवा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की प्रत्यागित तारीख का उल्लेख अवश्य होना चाहिए।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5 (ख) (ग), (घ) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सचिव या राज्य विधान मंडल के सचिव से, यह दिखाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी चाहिए।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाणपत्र आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार गृह मन्त्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए/छूटे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदनपत्रों के पढ़े जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदनपत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र के परिणाम के बारे में संघ

लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमावली तथा प्रश्न-पत्रों से युक्त पुस्तिकाएँ प्रकाशक नियंत्रक, मिडिल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहाँ बित्री के लिए मिलती हैं और उन्हें उनके यहाँ से सीधे मेल आर्डर या नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केवल नकद भुगतान द्वारा इन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग "सी" ब्लाक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) बित्री केन्द्र, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और संघ लोक सेवा आयोग कार्यालय, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 तथा (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफ्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएँ तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम—
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष—
- (3) रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जन्म की तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो—
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)——
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

ध्यान दें :—

जिन पत्रों आदि में यह ब्योरा नहीं होगा संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं करता।

कर्मचारी चयन आयोग

दिनांक 2 जुलाई 1978 को होने वाली

लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1978

अवसरों की सीमा सम्बन्धी स्पष्टीकरण

दिनांक 14-1-1978 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित तथा प्रमुख समाचार पत्रों में श्रीर दिनांक 21-1-78 को ऐम्प्लायमेंट न्यूज़/ रोजगार समाचार में विज्ञापित आयोग की विज्ञप्ति सं० 12/10/77/प० प्र० का आंशिक संशोधन करते हुए, यह एतद्-द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि पूर्वोक्त विज्ञप्ति के पैरा 6 में उल्लिखित अवसरों की संख्या सम्बन्धी रोक उन उम्मीदवारों के मामले में लागू नहीं होगी जो केवल समूहों ख और ग के अन्तर्गत उल्लिखित सेवाओं/ पदों के लिए प्रतियोगिता करना चाहते हैं / परन्तु पहले से अधिसूचित अवसरों की संख्या पर रोक समूह क के अन्तर्गत उल्लिखित सेवाओं/ पदों के मामले में पूर्ववत् लागू रहेगी।

अन्तिम: तारीख का बढ़ाया जाना :

जो उम्मीदवार समूह क में सम्मिलित से वाओं/पदों के लिए सन् 1961 के बाद को दो अवसरों का लाभ पहले उठा चुके हैं और अब समूहों ख तथा ग के अन्तर्गत दी गई सेवाओं/ पदों के लिए प्रतियोगिता करना चाहते हैं, उन के लिए आवेदनों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख 14-3-1978 तक बढ़ाई जाती है।

टिप्पणी:—आवेदन पत्र सादे कागज पर आमन्त्रित किए जाते हैं जिनमें मूल विज्ञप्ति में मांगी गई सूचना दी होनी चाहिए। ऐसे उम्मीदवारों के पूर्ण आवेदन पत्र दिनांक 14-3-1978 को या इससे पूर्व नई दिल्ली/ इलाहाबाद/बम्बई/ कलकत्ता/ मद्रास में आयोग के सम्बन्ध कार्यालय में अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

हीरालाल
अवर सचिव

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 17th February 1978

No. F.6/15/78-SCA(I).—In continuation of this Registry's Notification No. F.6/15/15/78-SCA(I) dated 1 February, 1978 the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to continue Shri H. D. Gulrajani to Officiate as Deputy Registrar upto 28 February, 1978 *vice* Shri Mahesh Prasad, granted leave, until further orders.

M. P. SAXENA, Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 7th February 1978

No. A.32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 4-11-1977 the President is pleased to appoint Shri A. N. Kolhatkar, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period from 1-1-1978 to 10-3-1978, or until further orders, whichever is earlier.

The 14th February 1978

No. P/556-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 28-12-1977, the President is pleased to extend the re-employment period of Shri M. M. Thomas for a further period of three months with effect from 1-1-1978 to 31-3-1978.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 15th February 1978

No. F 2/60/77-Estt(CRPF)/Pers.II.—The President is pleased to sanction proforma promotion to Shri S. K. Bose, Dy. S. P. CRPF, on deputation to the I.T.B.P., to the rank of Assistant Commandant in the C.R.P.F. with effect from 24-2-77.

The above promotion is subject to review on finalisation of the gradation list of Dy. SPs in the CRPF.

C. CHAKRABARTY, Director

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th February 1978

No. A-32014/1/77-Ad.I.—The Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby grants Proforma Promotion to Shri Narendra Prakash Inspector of Police in CBI, who is at present on deputation as Deputy Superintendent of Police in B.P. R. & D., New Delhi, to the rank of Dy. Superintendent of Police, in Delhi Special Police Establishment of the CBI, W.E.F. 4-7-77 in a temporary capacity until further orders.

The 14th February 1978

F. No. LA-19036/9/76-Ad.V.—Shri K. P. Mohammad, has relinquished charge of the office Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Cochin Br. on the afternoon of 31-12-77 and proceeded on 180 days leave preparatory to retirement with effect from 2-1-78.

Shri K. P. Mohammad will finally retire from service on 30-6-78 (A.N.).

A. K. HUI, Admn. Officer(E)/CBI

LAL, BHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 13th February 1978

No. 2/46/75-EST.—In continuation of this Office notification No. 2/46/75-EST dated 24-12-1977, the Director is pleased to appoint Shri K. C. Saxena as Librarian on *ad-hoc*

basis for a further period of 3 months with effect from 15-1-1978 against the post fallen vacant due to the death of Shri J. P. Gupta.

T. R. SURI, Accounts Officer

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 20th February 1978

No. P. VII-4/76-Estt-V.—The President is pleased to appoint on promotion Shri Madan Singh Dogra, Subedar of CRPF to the rank of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post in 14 Bn., CRPF w.e.f. 11-2-78 (FN) on his repatriation from I.T.B.P.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Asstt. Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 10th February 1978

No. 11/5/77-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 3 December, 1977, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri J. R. Vasistha in the post of Assistant Director of Census Operations (Technical), in the office of the Director of Census Operations, Haryana, with his headquarters at Chandigarh for a further period from 1-1-1978 to 3-2-1978.

No. 11/5/77-Ad. I.—The President is pleased to extend the *ad-hoc* appointments of the under-mentioned officers in the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) in the offices of the Directors of Census Operations as mentioned against each of them for a further period of two months with effect from 1-1-1978 upto 28-2-1978, or till the posts are filled on a regular basis, whichever period is shorter :

S. No.	Name of the officer	Office of the Director of Census Operations	Head-quarters	Reference of previous sanction
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Shri B. Satyanarayana	Karnataka	Bangalore	11/5/77-Ad I dated 19-12-77
2.	Shri S. Jayashanker	Kerala	Trivandrum	11/5/77-Ad. I dated 3-12-1977

The 20th February 1978

No. 12/5/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 12/5/74-RG(Ad.I) dated 3 September 1977, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Smt. Krishna Chowdhury as Linguist in the office of the Assistant Registrar General (Languages), at Calcutta, for a further period of six months with effect from 11 January 1978 or till the post is filled on a regular basis, whichever period is shorter.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 8th March 1978

No. 23/3/78-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by five points to reach 325 (three hundred and twenty five) during the month of January, 1978. Converted to base 1949=100 the index for the month of January, 1978 works out to 395 (three hundred and ninety five).

A. S. BHARADWAJ, Jt. Director

MINISTRY OF FINANCE

(Deptt. of E.A.),

INDIA SECURITY PRESS,

Nasik Road, the 15th February 1978

No. 2039/A.—In continuation of Notification No. 1438/A dated 24-11-1977, the *ad-hoc* appointments of S/Shri J. H. Sayyad & R. Venkataraman as Dy. Control Officers I.S.P. are extended for a further period upto 31-3-1978 on the same terms and conditions or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 18th February 1978

No. 2041/A.—The undersigned is pleased to appoint on deputation Shri A. V. Subramanian, Accounts Officer, office of the Divisional Engineer Telegraphs, Solapur, as Accounts Officer, India Security Press, Nasik Road w.e.f. the forenoon of 13th February, 1978 for a period of two years in the first instance.

D. C. MUKHERJEA, Genl. Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 13th February 1978

No. OEI-Audo-4959.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Jugeshwar Singh, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 10-1-78 (Forenoon).

No. OEI-Audo-4972.—The Accountant General has been pleased to promote Shri R. N. Sahay, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 10-1-78 (Forenoon).

The 14th February 1978

No. OEI-Audo-4990.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Riksheshwar Prasad, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 10-1-78 (Forenoon).

Sd./- Illigible

Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 7th February 1978

No. 68018(2)/71-AN-II.—The President is pleased to appoint Shri K. Padmanabhan, an officer of the Indian Defence Accounts Service [on deputation to Ministry of Defence (Department of Defence Production) as Joint Secretary] to officiate in the Senior Administrative Grade—Level I (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service with effect from 28-12-1977 (FN) until further orders, under the 'Next Below Rule'.

The 17th February 1978

No. 3261/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri G. C. Katoch, an officer of the Indian Defence Accounts Service, was transferred to the Pension Establishment with effect from 30-11-1977 (AN).

CORRIGENDUM

Notification bearing this office even No. dated 24th January, 1978 in respect of Shri G. C. Katoch, I.D.A.S., is hereby cancelled.

V. S. BHIR,

Addl. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 10th February 1978

Import and Export Trade Control Establishment

No. 6/851/68-Admn(G)/1417.—On attaining the age of superannuation Shri P. R. Tembe, an officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller

of Imports and Exports, Bombay relinquished charge of the post on the afternoon of the 31st December, 1977.

No. 6/1246/78-Admn(G)1443.—The President is pleased to appoint Smt. Usha Vohra, I.A.S., as Export Commissioner in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the forenoon of the 1st February, 1978, until further orders.

K. V. SESHADRI,

Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 28th January 1978

No. A-19018/27/73-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri B. I. P. Sinha, Asstt. Director (Gr. II) (Glass/Ceramics) as Asstt. Director (Gr. I) (G/C) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. 20-1-1978 (F.N.).

2. Consequent upon his appointment as Asstt. Director (Gr. I) Shri L. T. P. Sinha relinquished the charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) (G/C) and assumed the charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries w.e.f. 20-1-1978 (F.N.).

The 30th January 1978

No. 12(262)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri P. B. L. Saxena, Asstt. Director (Gr. I) (Leather/footwear) Small Industries Service Institute, New Delhi, to retire from Government service w.e.f. the afternoon of the 31st December, 1977 on his attaining the age of superannuation.

2. Consequent upon attaining the age of superannuation Shri P. B. L. Saxena, relinquished charge of the Asstt. Director (Gr. I) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. 31st December, 1977 (A.N.).

No. 12/663/70-Admn.(G).—On his reversion to the Post of Assistant Director (Gr. I) Shri S. N. Sharma, relinquished charge of the post of Deputy Director which he was holding on *ad-hoc* basis in the Branch Small Industries Service Institute, Bhiwani w.e.f. 1-7-1977 (F.N.) and assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) in the Branch Small Industries Service Institute, Bhiwani w.e.f. 1-7-1977 (F.N.).

No. A-19018/306/71-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri D. A. R. Krishna Simha as Deputy Director (Electrical) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 21-1-1978 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri D. A. R. Krishna Simha assumed charge of the post of Deputy Director (Electrical) at Small Industries Service Institute, Bombay w.e.f. the forenoon of 21-1-1978.

The 2nd February 1978

No. A-19018/300/77-Admn.(G).—On the recommendations of the U.P.S.C. the President is pleased to appoint Shri D. K. Pal as Assistant Director (Gr. I) (Chemical) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. 12-1-78 (FN) until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri D. K. Pal has assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Chemical) in the Small Industries Service Institute, Hyderabad, w.e.f. 12-1-78 (FN).

The 13th February 1978

No. A-19018/27/73-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri L. T. P. Sinha, Assistant Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in Small Industry Development

Organisation as Deputy Director (Glass/Ceramics) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 30-1-1978, until further orders.

2. Consequent upon the appointment as Deputy Director (Glass/Ceramics) Shri L. T. P. Sinha relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the O/o the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi w.e.f. the forenoon of 30-1-78 and assumed charge of the post of Deputy Director (Glass/Ceramics) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi w.e.f. the forenoon of 30-1-1978.

No. A-19018/317/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri Subodh Prakash Gandher as Deputy Director (Electrical) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 1-2-1978 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri S. P. Gandher has assumed charge of the post of Deputy Director (Electrical) at Small Industries Service Institute, Ludhiana w.e.f. the forenoon of 1-2-1978.

No. A-19018/321/77-Admn.(G).—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri S. S. Bhosarekar, as Deputy Director (Metallurgy) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 1-2-1978 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri S. S. Bhosarekar assumed charge of the post of Deputy Director (Metallurgy) at Regional Testing Centre, Bombay w.e.f. the forenoon of 1-2-1978.

V. VENKATRAYULU,
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 15th February 1978

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969—

UNDER CLASS 2—NITRATE MIXTURE

- (i) the entries "AQUADYNE-II for carrying out field trials at specified locations upto 31st March, 1976 appearing after the word "AQUADYNE" shall be deleted;
- (ii) the entries "IRECOAL-1, IRECOAL-3, IREGEL-1A, IREGEL-1B, IREMITE-60, IREMITE-80 and IREPRIME for carrying out trial manufacture, test and field trials at specified locations provisionally upto 30-6-1978" appearing after the word "GN-1" shall be deleted and after the entry "GODYNE", entries "INDOCOAL-1, INDOCOAL-3, INDOGEL-210, INDOGEL-230, INDOMITE-60, INDOMITE-80 and INDOPRIME" shall be added.

The 17th February 1978

No. E. 11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 6 Division 3, add "V" TYPE DELAY DETONATORS NO. 8 STRENGTH" after the words "TUBES FOR FIRING EXPLOSIVES".

I. N. MURTY,
Chief Controller of Explosives.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 14th February 1978

No. A-1/1(71).—Shri S. N. Banerjee, permanent Dy. Director and Officiating Director in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st Jan. 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 15th February, 1978

No. A-1/42(25).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints the following officers in the substantive capacity to the post and with effect from the date mentioned against each :—

S. No.	Name of Officer & Designation	Post against which appointed substantively	Date of confirmation
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri J.G.I. Jacob, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II), D.I., Bombay.	Asstt. Director (Admn.) (Grade II)	1-1-76
2.	Shri S.K. Desai, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II), Dte. of Supplies (Textiles), Bombay.	Do.	1-4-76
3.	Shri AVSP Sinha, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II), Dte. S & D, Kanpur.	Do.	1-5-77
4.	Shri V.K. Sankaralingam, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II), D.I., Madras.	Do.	1-5-77

The 17th February 1978

No. A-1/1(1053).—Shri P. K. Basu, Superintendent (Supervisory Level I) and officiating Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the Director of Inspection, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(1109).—Shri R. P. Bhattacharyya, officiating Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the office of Director of Inspection, Calcutta reverted as Superintendent with effect from the afternoon of 25th January, 1978.

2. The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri R. P. Bhattacharyya, Supdt. in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate as Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) in the same office on regular basis with effect from the forenoon of 3rd February, 1978 and until further orders.

SURYA PRAKASH,
Deputy Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(Khan Vibhag)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-16, the 29th November 1977

No. 5676/B 40/59/19A.—Shri B. M. Guha, Asstt. Administrative Officer; Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 30th September, 1977 (Afternoon).

V. K. S. VARADAN,
Director General.

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 14th February 1978

No. 6/147/62-SI-VOL-III.—On the expiry of leave granted to him from 3-12-75 to 18-1-77 by the Station Director, Radio Kashmir, Srinagar, the Director General, All India Radio hereby accepts the resignation of Shri K. R. Malhotra from the post of Programme Executive, All India Radio, with effect from 19th January, 1977.

The 16th February 1978

No. 6(14)/60-SI.—On attaining the age of superannuation Shri B. K. Sharma, Programme Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Delhi retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st January, 1978.

The 20th February 1978

No. 4(68)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Dr. (Smt.) N. Jayalakshmi Ammal as Programme Executive, All India Radio, Bhopal in a temporary capacity with effect from 9th February, 1978 and until further Orders.

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration,
for Director General.

New Delhi, the 15th February 1978

No. 2/6/63-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. D. Pant, Accountant, Directorate General, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer, High Power Transmitter, All India Radio, Aligarh with effect from 27-12-77 (F.N.) and until further orders.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

Publication Division

New Delhi, the 15th February 1978

No. A-12026/1/78-Admn.I.—Director, Publications Division is pleased to appoint Shri G. D. Madan, a permanent Senior Accountant to officiate on *ad-hoc* basis as Accounts Officer in this Division *vice* Shri K. C. Singhal, Accounts Officer, granted leave for a period of 74 days w.e.f. 15th February, 1978.

This *ad hoc* appointment will not bestow on Shri Madan as claim for regular appointment in the grade of Accounts Officer. This service will also not count for the purpose of seniority in the grade.

The 20th February 1978

No. A-31014/3/77-Admn.I.—The Director Publications Division is pleased to appoint Shri P. K. Sengupta substantively against the post of Artist in the Publications Division with effect from 14-5-73.

INDRAJ SINGH,
Deputy Director (Admn.)
for Director

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi, the 16th February 1978

No. A.12026/5/78-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints the following Technical Assistants (Advertising) to officiate as Assistant Media Executive, in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from the 8th February, 1978 (forenoon), until further orders :

1. Shri R. K. Bhaindwal.
2. Shri Bhaskar Nayar.

R. DEVASAR,
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 13th February 1978

No. A. 19019/10/77-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) Lila Devi Sonowal to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme at Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 1st February, 1978.

N. S. BHATIA,
Dy. Director Admn.
CGHS.

New Delhi, the 16th February 1978

No. A. 12023/15/76(HQ)Admn.I.—Shri Satya Pal relinquished charge of the post of Assistant Architect, Directorate General of Health Services on the afternoon of 16th July, 1977.

2. The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Satya Pal to the post of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of 1st September, 1977, on an *ad-hoc* basis until further orders.

No. A. 19020/34/76-Admn.I.—Dr. (Smt.) Rama Bhatia, relinquished charge of the post of Dental Surgeon under the Central Government Health Scheme, New Delhi, on the afternoon of 30th November, 1977.

No. A.12026/29/77-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Asha Sharma to the post of Senior Tutor at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, with effect from the forenoon of the 20th December, 1977 in a temporary capacity and until further orders.

2. Consequent on her appointment to the post of Senior Tutor, Smt. Asha Sharma relinquished charge of the post of Tutor at the same Institute with effect from the forenoon of 20th December, 1977.

No. A. 12026/32/77(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. G. Patil, Librarian Grade I, National Medical Library, Directorate General of Health Services to the post of Additional Deputy Assistant Director (Library) in the same Directorate with effect from the forenoon of 21st January, 1978 on an *ad-hoc* basis until further orders.

No. A. 19020/17/77-Admn.I.—Consequent on his transfer to the post of Evaluation Officer, Regional Health Office, Calcutta, Shri I. Prasad relinquished charge of the post of Senior Training Officer in Rural Health Training Centre, Najafgarh (Delhi) with effect from the afternoon of 9-1-78.

No. A. 32014/8/77(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. George to the post of Accounts Officer at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of the 17th January, 1978 in a temporary capacity and until further orders.

Consequent on the expiry of period of deputation, Shri D. Ananthapadmanabhan relinquished charge of the post of Accounts Officer at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, on the forenoon of the 17th January, 1978.

S. L. KUTHIALA,
Dy. Director (Admn.)

New Delhi-110011, the 17th February 1978

No. A. 31019/3/76-CHSII(CESIII).—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Lahiri, at present holding the post of Medical Officer, Seamen's Medical Examination Organisation, Port Health Organisation, Calcutta, in a substantive capacity to the permanent post of Epidemiologist in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the 10th July, 1962.

K. VENUGOPAL,
Under Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 14th February 1978

No. A. 19023/3/78-A. III.—The short term appointment of Shri S. P. Bhasin to the post of Marketing Officer (Group I), notified for a period of 3 months with effect from 2-11-77 (F.N.) *vide* this Directorate's notification No. F. 4-5(90)/77-A. III dated 14-12-77, has been extended for a further period not exceeding three months from 2-2-78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19023/4/78-A. III.—The short term appointment of Shri K. Suryanarayana to the post of Marketing Officer (Group I), notified for a period of 3 months with effect from 31-10-77 (F.N.) *vide* this Directorate's notification No. F. 4-5(88)/77-A. III dated 6-12-77, has been extended for a further period not exceeding three months from 31-1-78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19023/5/78-A. III.—The short term appointment of Shri R. Narasimhan to the post of Marketing Officer (Group I) at Tirupur, notified for a period of 3 months with effect from 30-11-77 (F.N.) *vide* this Directorate's notification No. F. 4-5(86)/77-A. III dated 3-1-78 has been extended for a further period not exceeding three months from 28-2-78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A-19023/8/78-A. III.—The short term appointment of Shri A. C. Guin to the post of Marketing Officer (Group I) at Surat, notified for a period of 3 months w.e.f. 21-11-77 (F.N.) *vide* this Directorate notification No. F. 4-5(87)/77-A. III dated 14-12-77, has been extended for a further period not exceeding three months from 21-2-78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19023/21/78-A. III.—The short term appointment of Shri J. N. Rao to the post of Marketing Officer (Group I) at Nagpur, notified for a period of 3 months with effect from 14-11-77 (F.N.) *vide* this Directorate notification No. F. 4-5(89)/77-A. III dated 6-12-77, has been extended for a further period not exceeding three months from 14-2-78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 15th February 1978

No. A. 19025/1/78-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Sudhindra Nath Ray has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group-II) in this Directorate at Madras with effect from the 23rd January, 1978 (F.N.), until further orders.

No. A. 19025/38/78-A. III.—Shri V. E. Edwin, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at Unjha with effect from 18-1-78 (F.N.) on short term basis for a period of 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 18th February 1978

No. A. 19025/29/78-A. III.—The short term appointment of Sh. N. G. Shukla, to the post of Assistant Marketing Officer (Group I) sanctioned upto 12-3-78, *vide* this Directorate's Notification No. F. 4-6(118)/77-A. III dated 6-12-77 has been extended upto 12-6-78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19025/10/78-A. III.—The short term appointment of Shri S. P. Saxena to the post of Assistant Marketing Officer (Group I), sanctioned upto 16-2-1978 *vide* this Directorate's Notification No. F. 4-6(117)/77-A. III dated 6-12-77, has been extended upto 16-5-78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19025/23/78-A. III.—The short term appointment of Sh. H. N. Shukla, to the post of Assistant Marketing Officer (Group I) sanctioned upto 24-3-78, *vide* this Directorate's Notification No. F. 4-6(116)/77-A. III dated 6-12-77, has been extended upto 24-6-78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 39013/1/78-A. III.—Consequent on the acceptance of the resignation tendered by him, Shri M. Hadis, Assistant Marketing Officer in this Directorate has been relieved of

his duties in this Directorate at Bhopal with effect from 6-2-78 (A.N.).

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 16th February 1978

No. DPS/2/1(2)/77-Adm./6712.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vithal Krishna Bhawe, Junior Accounts Officer in the Office of the General Manager, Telecom., Posts & Telegraphs Department to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960, on deputation terms, in this Directorate with effect from the forenoon of January 27, 1978 until further orders.

K. P. JOSEPH
For Administrative Officer

Bombay-400 001, the 17th February 1978

No. DPS/23/4/77-Est./6756.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated December 14, 1977, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. T. Parameswaran, Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad hoc* basis in the same Directorate for a further period upto 13-1-1978 *vice* Shri P. V. Ramanathan, Assistant Purchase Officer extended leave.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

Madras-600006, the 27th January 1978

Ref. MRPU/200(16)/78-Adm.—The Director, Purchase & Stores is pleased to appoint Shri V. Balakrishnan an officiating Store-keeper in the Directorate of Purchase & Stores, Madras Atomic Power Project, Stores, Kalpakkam as Officiating Assistant Stores Officer in the same unit from the forenoon of December, 5, 1977 to March 10, 1978.

S. RANGACHARY
Purchase Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 19th February 1978

No. AMD/1/20/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division hereby appoints Shri Tushar Paul, as a Scientific Officer/Engineer (Drilling) Grade SB in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 5 October, 1977 Forenoon until further orders.

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri C. L. Bhairam as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of January 23, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana 401504, the 18th February 1978

No. TAPS/1/25/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Yogesh Anand as Scientific Officer/Engineer 'SB' in the Tarapur Atomic Power Station in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 7, 1978, until further orders.

A. D. DESAI
Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakam, the 7th February 1978

No. A. 32023/1/77/R-3333.—A reference is invited to this Centre's Notification of even number dated August 30, 1977 regarding appointment of Shri K. M. Velayudhan, an officiating Assistant Accountant as Assistant Accounts Officer on *ad hoc* basis with effect from August 12, '77. Shri Velayudhan relinquished charge of the post of Assistant Accounts Officer on the afternoon of January 17, '78.

R. H. SHANMUKHAM
Administrative Officer
for Project Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th February 1978

No. E(I)04269.—On attaining the age of superannuation, Shri S. K. Basu, Officiating Assistant Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department, retired from the Govt. service with effect from the afternoon of 30th September, 1977.

The 20th February 1978

No. E(I)00948.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri Bhanu Pratap Singh as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27th December, 1977 and until further orders.

Shri B. P. Singh is posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

G. R. GUPTA
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th February 1978

No. A. 31013/3/76-EA.—The President has been pleased to appoint Shri G. C. Lohar, in a substantive capacity in the grade of Senior Aerodrome Officer in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 13th September, 1977.

No. A. 39013/1/78-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from service of Sarva/Shri B. K. Arora and Vinay Kapoor, Asstt. Aerodrome Officers, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the 31st January, 1978 A.N.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 16th February, 1978

No. A. 12025/1/77-EC.—The President is pleased to appoint the following two officers in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the date indicated against each and until further orders and to post them to the stations indicated against each :—

S. No.	Name	Designation	Date of taking over charge	Station of posting	of
1.	Shri Sukanta Bhattacharyya	Technical Officer	13-1-78(FN)	Controller of Communication, Aeronautical Communication Station Bombay Airport, Bombay	
2.	Shri Ashok Kumar Gulati	Communication Officer	9-1-78(FN)	Officer-in-charge, Aeronautical Communication Station Hyderabad.	

S. D. Sharma
Deputy Director of Administration

COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

No. II(7)1-ET/77-1319.—In pursuance of this office Estt. order No. 243/77 dated 6-9-77 appointing S/Sri Uma Shanker and C. P. Mishra, Inspector to officiate as Superintendent Central Excise/Customs Group "B" in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowance as admissible under rules, the above officers have assumed charge as Superintendent, Central Excise and Customs Group "B" at the places and w.e.f. dates and hours as indicated below against each :—

Name	Place of posting	Date of assumption of charge
Sri Uma Shanker	Superintendent, Central Excise, Danapur Range	28-9-77 (F.N.)
Sri C.P. Mishra	Superintendent, Central Excise, Mahua Range	23-11-77 (F.N.)

C. No. II(7)1-ET/78/1323.—In pursuance of this office Estt. order No. 190/77 dated 29-7-77 as modified under Estt. order No. 241/77 dated 6-9-77, Sri N. Bhattacharjee, office Superintendent (on deputation as Section officer (Excluded) under Central Board of Excise & Customs, New Delhi) on promotion to officiate as Administrative Officer, has assumed charge as administrative Officer, Central Excise, Hqrs. office, Patna in the Scale of Pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowances as admissible under rules in the fore-noon of 12-12-77.

C. No. II(7)2-ET/78/1322.—In pursuance of Ministry's order No. 148/77 dated 16-9-77 and this office Estt. order No. 289/77 dated 14-10-77, Sri B. B. Prasad, Assistant Collector, Customs House, Cochin, assumed charge as Assistant Collector (L/R) Central Excise, Hqrs. office, Patna in the forenoon on 28-11-77.

The 18th February, 1978

No. II(7)1-ET/77.—In pursuance of this office Estt. Order No. 259/77 dated 24-9-77 as modified under Estt. Order No. 327/77 dated 8-12-77, the following Inspectors on promotion to Officiate as Superintendent have assumed charge as Superintendent, Central Excise/Customs Group "B" in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, at the places and with effect from the dates & hours as indicated against each :—

Name of Officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1. Sri C.D. Nath	Superintendent (Tech.) Customs Hqrs. Patna.	19-12-77 (F.N.)
2. Sri C. S. Sinha	Superintendent (Prev.) Central Excise, Laheriasarai.	12-12-77 (F.N.)
3. Sri D.N. Singh	Superintendent (L/R), Customs Hqrs. Office, Patna.	30-11-77 (F.N.)

H. N. SAHU
Collector
Central Excise, Patna

Kanpur, the 16th February 1978

No. 5/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collectorate, Central Excise, Kanpur Estt. Order No. I/A/410/77 dated 8-12-77 issued under endt. C. No. II-555-Estt-62/57608 dated 8-12-77 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. Shri P. S. Tewari, Inspector (SG) took over the charge of Superintendent (CP) Group 'B', Central Excise Kanpur from Shri D. N. Bhatia, Superintendent, Central Excise Kanpur in the forenoon 9-12-77.

K. PRAKASH ANAND
Collector

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 17th February 1978

No. 11-TR(12)/77.—The Director General of Shipping has appointed Shri B. K. Das, as Foreman Instructor, in the DMET, Calcutta, in an officiating capacity on *ad-hoc* basis, with effect from 1st December, 1977 (Fore-noon), until further orders.

No. 11-TR(13)/77.—The Director General of Shipping, has appointed Shri H. K. Majumdar, as Foreman Instructor in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta, in an officiating capacity, on *ad-hoc* basis, with effect from 1st December, 1977 (Forenoon), until further orders.

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 13th February 1978

No. A-19012/579/76-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby accepts the resignation tendered by Shri Suresh Kumar Jain, Assistant Research Officer (Engineering-Mechanical), Central Water and Power Research Station, Pune, with effect from the forenoon of 2nd January, 1978.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF WORKS, HOUSING, SUPPLY AND REHABILITATION

(DEPTT. OF REHABILITATION)

REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER

Jeypore-764003, the 13th February 1978

No. PF/G/69-4704P.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Nadiminti Venkata Ratnam is appointed to the post of Assistant Engineer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Rehabilitation Reclamation Organisation with effect from the forenoon of 21-1-78 until further orders. He is kept on probation for a period of two years effective from the said date.

2. Shri Ratnam assumed the charge of the post of Assistant Engineer, FMU-6, RRO, At Kollegal (District Mysore-Karnataka) on the forenoon of 21-1-1978.

M. PATTANAIK
Lt. Col. (Retd.)
Chief Mechanical Engineer

INTEGRAL COACH FACTORY GENERAL MANAGER'S OFFICE PERSONNEL BRANCH/SHELL

Madras-38, the 20th February 1978

No. PB/GG/9/Misc. II.—Sri M. N. KRISHNAMURTHY, Officiating Assistant Accounts Officer/Fur. (Class II) has been promoted to officiate as Senior Accounts Officer/MTP (SS) against the post of Deputy Financial Adviser and Chief Accounts Officer from 10-12-1977.

Sri C. S. VENKATARAMAN, Assistant Controller of Stores (Class II) has been promoted to officiate as District Controller of Stores/Metro (S.S.) against the post of Deputy Controller of Stores (J.A.) from 1-12-1977 to 5-1-78. He has been transferred to Southern Railway from 5-1-1978 A.N.

Sri MD. KHAJA MOHIDEEN, Chief Design Assistant (Class III) who has been empanelled for promotion to the Class II post of Assistant Mechanical Engineer has been promoted to officiate as Asst. Mechanical Engineer/Designs sanctioned for MPP Cell from 2-1-1978.

Sri K. P. CHANDRASEKARAN, Officiating Senior System Analyst/Stores (S.S.) has been promoted to officiate in the Junior Administrative grade as Deputy Controller of Stores/MTP from 5-1-78.

Sri C. R. RADHAKRISHNAN, Officiating Works Manager/Electrical (S.S.) retired voluntarily from service with effect from 15-1-1978 A.N.

Sri V. SUBRAMANIAN, Officiating District Controller of Stores (S.S.)/Southern Railway has reported for duty in I.C.F. and posted as officiating Data Processing Manager (S.S.) from 16-1-1978.

Sri S. CHIDAMBARAM, Assistant Electrical Engineer/Inspection has been promoted to officiate in Senior Scale as Works Manager/Electrical from 27-1-1978.

Sri D. SOLOMON, Additional Controller of Stores (S.A. Level II) has been transferred to Southern Railway from 28-1-1978 F.N.

Sri V. SATYAMURTHY, Officiating Deputy Controller of Stores (J.A.)/ on transfer from Southern Railway, reported for duty and promoted to officiate as Additional Controller of Stores (S.A. Level-II) from 28-1-1978.

S. VENKATARAMAN
Deputy Chief Personnel Officer
For General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. The Third Class Railway Passengers Association.*

Madras-6, the 15th February 1978

CORRIGENDA

No. 2950/560(5)/77.—The name of the company may please be read as "The Third Class Railway Passengers' Association" instead of "The Third Class Passengers' Association" appearing in the notification No. 2950/560 (5)/77 dated 28-10-77 published in the Gazette of India, dated 19-11-77 under part III section I in page No. 5268.

In the matter of the Indian Companies Act, 1913.
Madras, the 15th February 1978

No. 2541/Liqn/247(5)/75.—The heading of the notification dated 11th March 1976 published in Gazette of India Part III Section I dated 17-12-77 may be read as "In the matter of the Indian Companies Act, 1913 and of the South Arcot Veeranarayani Produce and Commerce Limited (in liqn.)" instead of "In the matter of the Companies Act, 1956 and of the Veeranarayam Produce and Commerce Limited".

The words and figures "sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the South Arcot Veeranarayana Produce and Commerce Limited" appearing in the text of the same notification may be read as "sub section (5) of section 247 of the Indian Companies Act, 1913 that the name of the South Arcot Veeranarayana Produce and Commerce Limited (in liqn.)".

In the matter of the Companies Act, 1956
Madras, the 15th February 1978

No. 3707/C.Liqn/77.—The date of the order of the High Court of Judicature at Madras may be read as "14th day of February 1975" instead of "14th February 1976" appearing in the Notification No. 3707/C.Liqn/77 dated 22nd November, 1977, published in the Gazette of India, Part III Section I dated December, 17, 1977 at page No. 5815.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Sri Selva Vinayagar Murugan Textiles Private Limited
Madras, the 27th July 1977

No. DN/3443/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Selva Vinayagar Murugan Textiles Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
Sri Renganathan Motor Service Private Limited
Madras, the 27th July 1977

No. DN/4119/560(3)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Renganathan Motor Service Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sahayam Transports Private Limited.
Madras-600006, the 15th February 1978

No. 4032/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sahayam Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu.

Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956

In the matter of
M/s. Siddhartha Publications Pvt. Ltd.
Delhi, the 9th February 1978

No. Co. Liqn/2116/2726.—By an order dated the 3-11-1977 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s. Siddhartha Publications Private Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Gurmeet Constructions Pvt. Ltd."

Jullundur, the 17th February 1978

No. G/Stat/560/3229/12653.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gurmeet Constructions Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies,
Punjab, H.P. & Chandigarh.

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 9th February 1978

No. F.48-Ad(AT)/77-Part.II.—Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to the Vice-President, Income-tax Appellate Tribunal (Northern Zone), New Delhi who was initially appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad hoc* basis in the leave vacancy vice Shri C. L. Bhanot, Assistant Registrar, Delhi Benches for a period from 14-11-77 to 13-1-78 vide this office Notification of even number dated 28-11-77 and subsequently continued in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi for a further period from 14-1-78 to 10-2-78 in the leave vacancy vice Shri Sat Pal, Assistant Registrar, Delhi Benches, is now appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal in the Bombay Benches, Bombay on *ad hoc* basis with effect from the date he takes over charge vice Sri R. C. Srivastava, Assistant Registrar (Retired) until further orders, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as a temporary measure.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade nor for eligibility for promotion to next higher grade.

P. D. MATHUR
President.

OFFICE OF THE COMMISSIONER INCOME-TAX DEPARTMENT

New Delhi, the 20th February 1978

F. No. Coord./Pub./Delhi/B/76-78/44540.—In pursuance of sub-section (1) of section 287 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue) order dated 10-8-77 the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi, being of the opinion that it is expedient in public interest so to do, hereby publishes names and other particulars of assesses on whom penalty of not less than Rs. 5000/- was imposed during the financial year 1976-77.

S. No.	Name and address	Status	Asstt. Yr.	Section	Amount (Rs.)
22-022-CT-9846	Moble Works (P) Ltd, Model Town, Delhi.	P. Ltd. Co.	72-73	271(1)(a)	5,000/-

12--496 GI/77

K. N. Butani
Commissioner of Income-tax,
Delhi-I, New Delhi

New Delhi, the 20th February 1978

F. No. Coord./Pub./CIT-II/D/76-77/44548.—In pursuance of the order dated 26-12-70 under section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and the Ministry of Finance (Department of Revenue) order dated 10-8-77 the Commissioner of Income-tax, Delhi, I hereby publishes names and other particulars of the assessec in whose cases arrears of Income-tax demand exceeding Rs. 1 lakh were written off during the financial year 1976-78 :—

(i) Indicates status 'I' for Individual 'H' for Hindu Undivided Family 'C' for Company (ii) for asst. year (iii) for demand written off (iv) for brief reasons for write off.

1. 22—00—CX—1168/DLI/Co.Cir.VIII, Northern India Land and Finance (P) Ltd. Model Basti, Delhi (i) C (ii) 1961-62 to 1964-65 (iii) 1,55,584 (iv) The demand was felt to be irrecoverable.

NOTE : "The statement that the tax due from a person has been written off only means that in the opinion of Income-tax Department it cannot be on the date

of publication be realised from the known assets of the assessee. The publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from his liabilities to pay the amount in question".

INCOME TAX DEPARTMENT

F. No. Coord./Pub./Delhi-II/E/76-77/44552.—Following is list showing the names of Individual and HUFs, who have been assessed on a wealth of more than ten lakhs of rupees during the financial year 1976-77. (i) indicates status 'I' for Individual and 'H' for HUF (ii) for assessment year (iii) for wealth returned (iv) for wealth assessed (v) for tax payable by the assessec (vi) tax paid by the assessee :—

1. 22-010-PQ-2132/DLI/Con. Cir. I Charanjit Singh, Mohan Singh Building, Con. Lane, New Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 28, 98, 200 (iv) 28, 98, 200 (v) 1,51,856 (vi) 1,51,856 (2) 22-020-PV-2144/DLI/Co. Cir. I Laj Kaur, Mohan Singh Bldg., Con. Lane, New Delhi (i) I (ii) 75-76 (iii) 14,24,770 (iv) 16,25,300 (v) 50,024 (vi) 50,024.

A. C. JAIN, Commissioner of Income-tax
Delhi-II, New Delhi.

FORM ITNS ———

(1) Shri Uttam Chand Ahuja & Kishan Chand Ahuja,
(Transferor)

(2) Shri Prithvi Raj Dubey & others.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Federal Bank Ltd.
 2. M/s. Crompton Wheel Co. Ltd.
 3. M/s. Hindustan Cooper Ltd.
 4. Shri T. N. Narula.
 5. Shri N. M. Bhattacharya.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 16th February 1978

Ref. No. GIR No. 64-P/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29 and 47/11, Vidhan Sabha Marg, Lucknow (Four storeyed house including shops etc. situated at Lucknow

and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 2-6-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One four-storeyed building including Aarazi No. 29 and Nagar Mahaplika No. 47/11 and one shop in which Rita Shoe Co. exists situate at Vidhan Sabha Marg, Lucknow and all that which is entered in the sale deed and Form 37G (No. 1802/77) registered at the Office of the Sub Registrar, Lucknow on 2-6-77.

AMAR SINGH BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 16-2-1978

Seal :

~~FORM ITNS~~

(1) Shri Kunal Kumar Deb.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dico Carbon & Ribbon Mfg. Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1978

Ref. No. AC-27/Rcq-R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34-G, situated at Biplabi Barin Ghosh Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 3 chittaks 20sft, being divided and demarcated portion of premises No. 34-G, Biplabi Barin Ghosh Sarani (formerly Murari Pukar Road), P. S. Maniktolla, Calcutta, more particularly as per deed No. 2951 of 1977.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 15-2-1978
Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Kalyan Kumar Deb.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dico Carbon & Ribbon Mfg. Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1978

Ref. No. AC-28/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I,
P. P. SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34-G, situated at Biplabi Barin Ghosh Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 3 chittaks 20sft. being divided and demarcated portion of premises No. 34-G, Biplabi Barin Ghosh Sarani (formerly Murari Pukar Road), P. S. Maniktolla, Calcutta, more particularly as per deed No. 2953 of 1977.

P. P. SINGH

Competitive Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-IV.

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Saibal Kumar Deb.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dico Carbon & Ribbon Mfg. Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1978

Ref. No. AC-29/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34-G, situated at Biplabi Barin Ghosh Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 11 chittaks 1 sft. being divided and demarcated portion of premises No. 34-G, Biplabi Barin Ghosh Sarani (formerly Murari Pukar Road), P. S. Maniktolla, Calcutta, more particularly as per deed No. 2952 of 1977.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

P. P SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shyamal Kumar Deb.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashoke Kumar Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1978

Ref. No. AC-30/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 34-G, situated at Biplabi Barin Ghosh Sarani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10 cottahs 3 chittaks 20 sft. being divided and demarcated portion of premises No. 34-G, Biplabi Barin Ghosh Sarani (formerly Murari Pukur Road), P. S. Maniktolla, Calcutta, more particularly as per deed No. 2950 of 1977.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 15th February 1978

Ref. No. AC-31/Acq.R-IV/Cas/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 34-G, situated at Biplabi Barin Ghosh Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Swapan Kumar Deb.
(Transferor)
- (2) Shri Ashoke Kumar Das.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 1 chittaks 30 sft. being divided and demarcated portion of premises No. 34-G, Biplabi Barin Ghosh Sarani (formerly Murari Pukur Road), P. S. Maniktolla, Calcutta more particularly as per deed No. 2954 of 1977.

P. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 15-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Saibal Kumar Deb.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashoke Kumar Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 15th February 1978

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-32/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

34-G, situated at Biplabi Barin Ghosh Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 6 chittaks 30sft. being divided and demarcated portion of premises No. 34-G, Biplabi Barin Ghosh Sarani (formerly Murari Pukar Road), P. S. Maniktolla, Calcutta, more particularly as per deed No. 2955 of 1977.

P. P SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-2-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amiya Pumar Chatterjee.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Nani Gopal Talukdar and
Smt. Malina Prova Talukdar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE IV
CALCUTTA**

Calcutta, the 15th February 1978

Ref. No. AC-36/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I,
P. P. SINGH,
being the competent authority under Section 269B of the
Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. 197-A, situated at Raja Dinendra Street
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Sealdah on 14-6-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 1 cottah 9
chittaks 31 sft. together with four storied building thereon
situated at premises No. 187-A, Raja Dindera Street, P.S.
Ultadanga, Calcutta, more particularly as per deed No. 599
of 1977.

P. P SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date . 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 23rd January 1978

Ref. No. Acq F. No. 575.—Whereas, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

27-10-24 situated at Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 18-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Pentapati Annapoornamma,
W/o Venkatachandrarao,
C/o M/s. Chandra Automobiles,
Harbour Approach Road,

(Transferor)

(2) M/s. Gowthami Supplies,
Represented by Managing Partner
Sri Ganta Vecra Raju,
S/o Simachalam,
Stadium Road, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1706/77 registered before the Sub-registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 30-6-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 23-1-1978
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Palepu Venkata Nagaratnamma,
W/o Venkateswara Rao,
Kothapet, Nuzvid, Krishna Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 23rd January 1978

Ref No. Acq. F. No. 576.—Whereas, I, N. K. Nagarajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 584, 584/1 and 2 situated at Nuzvid (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 1-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Late Maddirala Balakotiah,
S/o Pullaiah,
Represented by L/R son M. Krishnamurthy,
Kothapeta, Nuzvid.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1470/77 registered before the Sub-registrar, Nuzvid during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 23-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 577.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26-15-14 situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 27-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Karri Satyanarayana, S/o. Suryarao, 2. Karri Sitaratnam, W/o. Nanaji, 3. Karri Veerabhadharao alias Bulchibabu, S/o. Suryarao, 22-74-12 Cathedral road Bennabathula Changalraopeta Visakhapatnam-1, M. Chittimani, alias Annapurnambai, W/o. Suryalingam, C/o Retd. Dy. Rept. of Co-op. Society Co-op. Colony, Visakhapatnam-4, 5. Bennabathula Nagamani, W/o. Dharmeswararao, Principal, Junior college, Palakonda, Srikakulam Dist, 6. Karri Sankararao, M/G father K. Satyanarayana, 7. Karri Sachitanand, M/G father K. Satyanarayana, 8. Karri Sundar, M/G father K. Satyanarayana, 9. Karri Satyanarayana, M/G mother K. Sitaratnam, 10. Karri Ramaseshu, M/G mother K. Sitaratnam, 11. Karri Lakshmanarao, M/G mother K. Sitaratnam, 12. Karri Suryarao, M/G mother K. Sitaratnam, 13. Karri Veerabhadharao, M/G mother K. Sitaratnam, 14. Karri Narasingarao, M/G mother K. Sitaratnam, 15. Karri Verracharyulu, M/G mother K. Sitaratnam, 16. Karri Vijayalakshmi, M/G mother K. Sitaratnam, 22-74-12, Cathedral Road, Changalraopeta, Visakhapatnam-1.

(Transferor)

- (2) Shri Kolluru Venkata Rao, S/o. Venkata Ratnam, C/o. Kevier Agencies, 26-15-14, Main Road, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1841/77 registered before the Sub-registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 23rd January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 578.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-15-14 situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 29-6-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Karri Satyanarayana, S/o. Suryarao, 2. Karri Sitaratham, W/o. Nanaji, 3. Karri Veerabhadrrao alias Butchibabu, S/o. Suryarao, 22-74-12, Cathedral Road, Chaugalraopet, Visakhapatnam-1 4. Bernabathula Chittmani, alias Annapurnambi, W/o. Suryalingam, Co-op. Colony, Visakhapatnam-4, 5. Bennabathula Nagamani, W/o Dharmeswararao, Principal, Junior college, Palakonda, Srikakulam Dist. 6. Karri Sankararao, M/G father K. Satya-Srikakulam Dist. 6. Karri Sachitanand, M/G father K. Satyanarayana, 8. Karri Sundar, M/G father K. Satyanarayana, 9. Karri Satyanarayana, M/G mother K. Sitaratnam, 10. Karri Ramaseshu, M/G mother K. Sitaratnam, 11. Karri Lakshmanarao, M/G mother K. Sitaratnam, 12. Karri Suryarao, M/G mother K. Sitaratnam, 13. Karri Veerabhadrrao, M/G mother K. Sitaratnam, 14. Karri Narasingarao, M/G mother K. Sitaratnam, 15. Karri Veeracharyulu, M/G mother K. Sitaratnam, 16. Karri Vijayalakshmi, M/G mother K. Sitaratnam, 17. Karri Jayanagamallikharjunarao, M/G father Veerabhadrrao alias Butchibabu, 22-74-12, Cathedral Road Chaugalraopet, Visakhapatnam.

(Transferor)

- (2) Shri Kolluru Venkata Rao, S/o. Venkata Ratnam, C/o. Kevier Agencies, 26-15-14, Main Road, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1883/77 registered before the Sub-registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 23-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

1. Md. Hancef Basha, C/o. M. D. Haniff & Co., Skin Merchants, Kaki Street, Srikakulam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Korada Venkataramana, S/O. Nagabhushanarao,
- (2) Varanasi Govindarao, S/. Late Satyanarayana Bonthavari street, Srikakulam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

- (3) Pullella Laxminarayanaraju, Sri Ramakrishna Restaurant, Srikakulam.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kakinada, the 25th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 579.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 10-5-30 situated at Srikakulam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikakulam on 27-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per registered document No. 2075/77 registered before the sub-registrar, during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-1-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 25th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 580.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33-1-12 situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 8-6-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Erouthu Simhachalam, S/o Guruvulu, Contractor,
2. E. Mariyadasu, } sons of Simhachalam, 2
3. E. Rajeswararao, } Gnanapura,
Visakhapatnam-4.

(Transferor)

2. Gujjara Krishnarao, S/o. Sarbajirao, Chinnammavari St., Visakhapatnam-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1620/77 registered before the Sub-registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 25-1-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 25th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 581.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-23-73 situated at Anakapalli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anakapalli on 21-6-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
14-496GI/77

1. 1. Kolluru Laxmi, 2. Kolluru Narasingarao, 3. K. Pramodkumar, 4. K. Vinaykumar, 5. K. Sivakumar, 6. K. Namrata, 7. K. Vidheyata, Minors by guardian father K. Narasingarao, Trunk Road, Anakapalli.

(Transferor)

2. 1. Sri Konatala Venkata Satya Varaha Rama Chandrarao, 2. Konatala Jogeswararao, sons of Durugunaidu, Nookalamma Temple Street, Gavara-palem, Anakapalli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2953/77 registered before the Sub-registrar, Anakapalli during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 25-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

1. Dr. Nutakki Pandurangabai, W/o. Dr. Radha Krishna Murty, S-64, Shastrinagar, Adayar, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 582.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site situated at Mangalagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalagiri on 17-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

2. 1. Dr. Chalasani Krishnavaraprasad, 2. Dr. Vallabani Chtandrawati, Samata Nursing Home, Mangalagiri, Guntur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1038/77 registered before the Sub-registrar, Mangalagiri during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 30-1-1978.

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 4th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 583.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-14-3 situated at Sriam Nagar, Kakinada (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 25-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Kotapati Krishna Sharma, S/o. Late Kotayya, 2. Smt. K. Rajamma, W/o. Kotayya, 3. K. Prafulla Chandra, S/o. K. K. Sharma, 4. K. Nageswara Rao, S/o. K. K. Sharma, 5. K. Prabhakar, S/o. K. K. Sharma, 6. K. Ramarani, D/o. K. K. Sharma, C/o. Linoleum Show Room, 1/155, Mount Road, Madras-600002.

(Transferor)

2. Kumari Sonti Sree Rama Murty, B.Sc., (Agl.), Deputy Director, of Agriculture (DEP), 3-5-1119/4/1, Raj-mohalla, Kachiguda X Road, Hyderabad-500027.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3127/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 4-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Chandraraju Veera Raju, Flat No. 5, Sreenagar Colony, Hyderabad-500 038.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 4th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 584.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 494/3A & 512/1 situated at Kothalanka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mummidivaram on 15-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2. Shri Vadrevu Jaggaraju, Gangalakurru, Amalapuram Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1237/77 registered before the Sub-registrar, Mummidivaram during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 4-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 4th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 585.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34-5-56 situated at Rajaji St., Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 15-6-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Puram Venkatanarayana, 2. P. Manikyala Rao, 3. P. Kantarao, 4. P. Krishnamurthy, S/o. Venkataratnam, Ramaraopeta, Kakinada.

(Transferor)

2. Shri Puram Satyanarayanamurthy, S/o. Venkataratnam Ramaraopeta, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2482/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 4-2-1978.
Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Muchumari Tirumalareddy, S/o. Ankireddi,
Lorry owner, Gunturivari Thota, Guntur.

(Transferor)

2. Shri Surisetty Yerrayya, S/o. Kondayya, Deputy
Commercial Tax Officer, Kurnool.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 4th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 586.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-162-166 situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 25-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3265/77 registered before the sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 4-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Chegondi Sushilrao, S/o. Joshibabu, Ramarao-peta, Kakinada.

(Transferor)

2. Shrimati Akula Savitridevi, W/o. Sivayya Naidu, Srinagar, Kakinada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 4th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 587.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-4-36 situated at Ramarao-peta, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 29-6-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3221/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 4-2-1978.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 588.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-25-292 situated at Main Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- | | |
|------------------------------|---|
| 1. 1. Tulluru Suseelamma, | W/o. Venkatapoorna |
| Kutumbadao, | } Minors by guardian mother Smt T. Suseela, |
| 2. Kum. T. Arunakumari, | |
| 3. Kum. T. Sharmila, | |
| 4. Mr. T. Satyanarayana, | |
| 5. Smt. T. Venkata Subbamma, | Vijayawada-2. |
| Durgaiah St., Governorpeta, | |

(Transferor)

2. 1. Sri Juluru Bhaskara Rao, 2. J. Nalini Niranjanarao, 3. J. Hariprabhakara Rao, 4. J. Sivaramakrishna Prasad, 5. J. Gangadhararao, Minor by guardian father Sri J. Venkatanarayana, Sivalayam St., Vijayawada, Munaga Ankamsetty, 11-25-292, Main Road, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1658/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 589.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39-11-4 situated at Labbipeta, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 6-6-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15—496GI/77

1. Smt. Kancherla Venkata Ratnamma, W/o. Venkata Ratnam, J. V. Rao Street, Labbipeta, Vijayawada-10.
(Transferor)
2. Sri Mandava Rattaiah, C/o. Padmanabha Printing Works, Hanumanpeta, Vijayawada.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1437/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-2-1978.
Seal :

FORM ITNS—

1. Shri Bodi Venkata Hanumantha Rao, S/o. Kameswara Rao, Ravindranagar, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Ravinutala Srinivasa Rao, S/o. Venkateswarlu, 3-5-928, Susheelvadi, Himayatnagar, Hyderabad-500029.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th February 1978

Ref No. Acq. F. No. 590.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33-22-7 situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 30-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3320/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 30-6-77.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-2-1978.

Seal :

FORM ITNS

1. Sri Kolipakula Gopala Krishna Murty, S/o, Suryanarayana, Morrispetta, Tenali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2. Sri Mettu Seetharami Reddy, S/o, Yellareddi, Sthambhalagaruvu, Guntur-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kakinada, the 7th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 591.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Auntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 1-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2648, registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 592.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 432-1B situated at Pedakakani village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 18-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. 1. Moparti Seshamma, W/o. Tatayya, 2. Machavarapu Samrajamma, W/o. Nageswararao, 3. Gogineni Annapoornamma, W/o. Venkataramayya, Takkellapadu, Guntur Dist.

(Transferor)

Partners of M/s. Commercial Goods Transport :

2. 1. Sri L. S. Gopalan, 2. Bh. Gangireddy, 3. O. Venkata Reddy, 4. Bh. Iyyapareddy, 5. O. V. Chalamareddy, 6. T. Narayanareddy, P. B. No. 89, Kothapeta, Guntur-522001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3084/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 30-6-77.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-2-1978.
Seal :

FORM ITNS ———

1. Shri Maddi Seshagiri Rao, S/o. Subbarao, 81 Vastralata, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Kotha Kanakaiah, S/o. Gopalam, Choutra, Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th February 1978

3. Shri K. V. Ratnam, 5-12-72, Brodipet, Guntur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. Acq. F. No. 593.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5-12-72 situated at Brodipet, Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guntur on 27-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3262/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Maddi Seshagiri rao, S/o Subbarao, 81, Vastralata, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Konakalla Venkataratnam, S/o Venkata Apparao, Brodipeta, Guntur-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. F. No. 594.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-21-72 situated at Brodipet, Guntur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Guntur on 27-6-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3275/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 30-6-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 595.—Whereas, I N. K. NAGARAJAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, TS 14 situated at Anakapalli, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anakapalli on 4-6-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Co-operative Central Bank Ltd., Vijianagaram : Represented by : 1. President Sri Poosapati Laxmi Narasimharaju, Vizianagaram, Directors : Sri Kotni Kannaiah, and Sri Vijapu Someswararao, Anakapalli Chodavaram.

(Transferor)

(2) 1. Ambalal Patel, S/o Dayalal Patel, 2. Harilal Patel, S/o Dayalal Patel, C/o Sri Vijaya Durga Saw Mill, Opp. Bus stand, Anakapalli.

(Transferee)

(3) 1. Ayyalasomayajula Sanyasirao, Ex-Director of Co-operative Bank, Kondapalli vari Veedi, Anakapalli 2. The Tahsildar, Anakapalli.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2517/77 registered before the Sub-registrar, Anakapalli during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 9-2-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kollipara Venkataratnamma, W/o Venkata
Setha Ramaiah, Governorpeta, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Gatta Jagannadharao, Shri G. Dhana Prāsada
Rao, and Shri G. Subba Rao, C/o Gatta Glass
House, Bandar Road, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 596.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-7-60 situated at Sivalayam St., Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in June 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) facilitating the concealment of any income or any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1601/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 30-6-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 9-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Kuchimanchi Gayatri, W/o Ramarao, 2-2-1137/3/1/C, New Nallakunta, Hyderabad-44.
- (2) Shri Tadi Sakuntala, W/o Venkataswamy, Door No. 7-5-2, Gayathri Nilayam, Gopalakrishna St., Ramaraopeta, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA,
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 597.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-5-2 situated at Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kakinada on 10-6-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—496 GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2645/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 9-2-1978

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 9th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 598.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31-16-9 situated at Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 1-6-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raghavachari Srinivasan, C/o Sri Krishna and Co., Park Road, Vijayawada-1.

(Transferor)

- (2) Shrimati Koganti Padmavathi, W/o Dr. Ramachandrarao, Wynchipeta, Near Mosque, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1395/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-6-77.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 9-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 599.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24-8-13 situated at Durgapuram, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on June 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Penumatsa Satyanarayana Raju and P. Venkatapati Raju, 1-2-593/33, Domalaguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Partners of M/o Chukkapalli Bros., Gandhinagar, Vijayawada. 1. Ch. Tirumalarao, 2. Ch. Narasingarao, 3. Ch. Ramesh, 4. Smt. Sarojanamma, 5. Ch. Arunakumar, 6. Ch. Amarakumar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1831/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 30-6-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 600.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-1-23 situated at Rajahmundry, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on June 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Palakurti Narasimharao, Shri Palakurti Srimannarayana, Smt. Palakurti Laxminarasamma, Smt. Tammana Laxmikusumakumari, Smt. Grandhi Tamma K. Nagavenkata Satyasai Krishnarao K. Sundara Ratna Nageswararao, C/o Ranga Medical Stores, Rajahmundry C/o Sri Rajasekhar, Medical Stores, Main Road, Rajahmundry.

(Transferor)

- (2) Srichand, S/o Salamath Rai, C/o Karachi Sweet meat shop, Fort Gate, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2441/77 registered before the Sub-registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-2-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 601.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 46-10-36 situated at Rajahmundry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 13-6-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Dontamsetty Trinadha Veni, W/o Sri Apparao Executive Engineer (Public Health), Santinagar Mehadipatnam, Hyderabad-500028.

(Transferor)

(2) Shri Battula Raja Rajeswara Rao, Minor by guardian adopted mother Smt. B. Bramaramba, W/o Late Sri Mallikarjunarao, 46-10-36, China Gandhi Statute St., Danavaipeta, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2129/77 registered before the Sub-registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
KAKINADA

Kakinada, the 13th February 1978

Ref. No. Acq. P. No. 602.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 46-10-36 situated at Rajahmundry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 13-6-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dontamsetty Trinadha Veni, wpo. Sri Apparao, Executive Engineer, (Public Health), Santinagar, Mehadiapatnam, Hyderabad-50028.

(Transferor)

(2) Battula Bramaramba, W/o Late Sri Mallikarjunirao, 46-10-36, China Gandhi Statue St., Danavai-peta, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2131/77 registered before the Sub-registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 13-2-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tivari Yagnavalkaprasad, State Bank Street, Narasapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sikile Percy Paul, S/o Sikile Joseph and David Prabhakar, S/o Sikile Joseph Narasapuram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kakinada, the 16th February 1978

Ref. No. Acq. File No. 610.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-5-54 situated at Roypeta Narasapur, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Narasapur on 1-6-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1445/77 registered before the Sub-Registrar, Narsapur during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nandipalli Veeraraju, S/o Venkanna and Shri N. Srenivasarao, M/G father Sri N. Veerraju Gajjavaram, Kovvur Taluk, W.G. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tanala Satyanarayana, Chityala (Kovvur Taluk, W.G. Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Kakinada, the 16th February 1978

Ref. No. Acq. File No. 611.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 204 situated at Chityala Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vegeswarapuram on 23-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 393/77 registered before the Sub-Registrar, Vegeswarapuram during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 16-2-1978

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Sri Jawaharilal Khimji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayanthilal Vashram Patel and Shri Natvarlal Vashram Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD

Cochin-682016, the 15th February 1978

Ref. L.C. No. 170/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Mattancherry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 27-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
17—496GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15 cents of land with buildings in Sy. No. 498/4 of Mattancherry village.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD
ERANAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 14th February 1978

Ref. L.C. No. 171/77-78.—Whereas, I C.P.A.
VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Palghat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Palghat on 27-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri I. S. Abdul Razak,

(Transferor)

(2) Shri S. K. Nooruddin and Shri S. K. Ahmed Sharaf.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

49.5 cents of land with buildings in Sy. No. 2566 in Robinson Rozd, Palghat.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. K. Kochumoideen Hajee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. A. Abdul Latif.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 15th February 1978

Ref. L. C. No. 172/77-78.—Whereas, I, C.P.A.

VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing sy. No. as per schedule situated at Lokamaleswaram village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodungallur on 27-6-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

10.5 cents of land with buildings in Kodungallur Panchayath.

C. P. A. VASUDEVAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Narinder Kumar S/o Shri Des Raj Kumar,
Goushala Road, Phagwara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Kishna Devi w/o Shri Kishan Lal c/o Royal
Tailors, Goushala Road, Phagwara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhatinda, the 14th February 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Ref. No. A.P. 110/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. As per schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in June 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth, tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

1/2 of house situated at Goushala Road, Phagwara as mentioned in sale deed No. 426 of June 1977 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 14-2-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 14th February 1978

Ref. No. A.P. 111/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara in June 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Narinder Kumar s/o Shri Des Raj Kumar
r/o Goushala Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Chand s/o Shri Mehar Chand C/o
Royal Tailors, Goushala Road, Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share in house situated at Goushala Road, Phagwara as mentioned in sale deed No. 540 of June, 1977 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 16th February 1978

Ref. No. A.P. 112/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Boha (Budhlada) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhlada in June 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Rai s/o Shri Girdhari Lal, Boha now House No. 102, Pari Mahal, Kahat Road, Simla (HP).
(Transferor)
- (2) Shri Bhura Singh, Shri Gurmaj Singh, Shri Kapoor Singh, Shri Shashan Singh, Shri Mewa Singh, Shri Sewa Singh s/o Shri Pritam Singh s/o Shri Gajjan Singh, R/o Boha, Teh. Budhlada, Dist. Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 kanals and 11 marlas in village Boha, Teh. Budhlada as mentioned in sale deed No. 1003 of June 1977 registered with the S.R. Budhlada.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, BhatindaDate : 16-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 16th February 1978

Ref. No. A.P. No. 113/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Gumti Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phool in July 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shmt. Ram Kaur wd/o Shri Kartar Singh, Village Gumti Kalan, Teh. Phool.
(Transferor)
- (2) Shri Joginder Singh, Shri Thakar Singh, Shri Bant Singh ss/o Shri Darbara Singh, Village Gumti Kalan, Teh. Phool.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48 kanals in village Gumti Kalan as mentioned in sale deed No. 1642 of July 1977 registered with the S.R. Phool.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 16-2-1978
Seal :

FORM ITNS- ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 16th February 1978

Ref. No. AP 114/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Bhagta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phool in July 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Dhan Kaur Urf Nihal Kaur wd/o Shri Mehanga Singh, village Bhagta, Teh. Phool, Distt. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ajmer Singh s/o Shri Arjan Singh s/o Shri Shri Natha Singh, Village Bhagta, Teh. Phool.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Agricultural land measuring 59 Kanals and 15 marlas in village Bhagta, Teh. Phool as mentioned in sale deed No. 1810 of July 1977 registered with the S.R. Phool.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 16-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 16th February 1978

Ref. No. A.P. 115/BT1/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Village Takhtupura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at NihalSingh Wala in July 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—496 GI/77

- (1) Shri Ran Singh s/o Shri Partap Singh s/o Shri Chanda Singh, R/o village Takhtupura, Teh. Nihal Singh Wala through Shri Kartar Singh s/o Shri Waryam Singh, R/o Rajgarh, area Dhanaula, Post Office Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferor)

- (2) S/Shri Sajjan Singh, Sarwan Singh ss/o Santa Singh s/o Kala Singh, R/o Bilaspur village, Teh. Nihal Singh Wala, Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 65 kanals and 5½ marlas in village Takhtupura as mentioned in sale deed No. 1122 of July 1977 registered with the Joint Sub-Registrar, Nihal Singh Wala.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 16-2-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 16th February 1978

Ref. No. A.P.116/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Takhtupura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nihal Singh Wala in July 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Ran Singh s/o Partap Singh s/Chanda Singh, R/o village Takhtupura through Shri Kartar Singh s/o Shri Waryam Singh, GA, R/o Village Rajgarh area Dhanaula, P.O. Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Prem Singh s/o Shri Partap Singh s/o Shri Chanda Singh, R/o village Takhtupura, Teh. Nihal Singh Wala.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 65 Kanals and 13½ marlas in village Takhtupura as mentioned in sale deed No. 1119 of July 1977 registered with the S.R. Nihal Singh Wala.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhatinda

Date : 16-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajendra Singh, Prakash Singh Pisan Shijaji Singh, Mali Kachawa Resd. ojat Road Sojat Line Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Karuna Choudhary w/o Shri Harnarainji Choudhary, Jat Regd. Ajmer.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 1st February 1978

Ref. No. IAC/Acq/338.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27 situated at Pali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 17-6-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot No. 27 situated at Durgadass colony, Pali as described in conveyance deed registered on 17-6-1977 at Sr. No. 24/77 by the Sub-Registrar, Pali.

M. P. VASISHTHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 1-2-1978

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Janak Singh S/o Manohar Singh, Near Chetak Circle, Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhagwat Singh S/o Sobhagsingh Mahta Maldas Street, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 1st February 1978

Ref. No. IAC(Acq)/384.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Manohar Bhawan situated at Udaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 30-6-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property as known "Manohar Bhawan" near chetak Circle, Udaipur as described in conveyanced deed registered on 30-6-77 at Sr. No. 1046 by the Sub Registrar Udaipur.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 1-2-1978
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
JAIPUR**

Jaipur, the 1st February 1978

Ref. No. Raj IAC/(Acq)/386.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Manohar Bhawan situated at Udaipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 24-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ku. Janak Singh S/o Manoharsingh Rajpoot,
Near Chetak Circle, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Daulat Singh S/o Mohanlal Gandhi resident
of Maldas Street, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property of Mahonhar Bhawan situated at chetak circle, Udaipur as described in conveyance deed registered on 24-6-77 at Sr. No. 1045 by Sub Registrar, Udaipur.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 1-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 1st February 1978

Ref. No. IAC(Acq)/387.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Manohar Bhawan situated at Udaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 16-8-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ku. Vijaisingh S/o Manohar Singh Rajpoot,
Gobind Bhawan, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwatsingh S/o Shobhasingh Mah'a Maldas
street, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop at ground floor of Manohar Bhawan situated at chetak circle, Udaipur as described in conveyance deed registered on 16-8-1977 at Sr. No. 1363 by the Sub Registrar, Udaipur.

M. P. VASISHTHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 1-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ku. Vijaisingh S/o Manohar Singh Rajpoot
resident Gobind Bhawan, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ranjeetlal S/o Fatehlal Chatur resident Maldas
street, Udaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 1st February 1978

Ref. No. Baj LAC(Acq)/383.—Whereas, I. M. P.
VASISHTHA,

being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as in the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Manohar Bhawan situated at Udaipur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Udaipur on 16-8-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop at ground floor of Manohar Bhawan situated at
chetak circle, Udaipur as described in conveyance deed regis-
tered on 16-8-1977 at Sr. No. 1365 by the sub-registrar,
Udaipur.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 1-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 6th February 1978

Ref. No. P.R. No. 547Acq.23-1012/6-1/77-78.—Whereas,
I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. one flat on 3rd Floor, No. 3-D situated at Vishvas Colony, Rs. 25,000/- and bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s A. M. Patel & Co.
205, Yashkamal Building,
Station Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Dr. Ashokkumar Rajaram Pradhan,
10, Nutan Bharat Society,
Wadi Wadi, Baroda-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being a flat on 3rd Floor, No. 3-D, situated at Alkapuri Shopping Centre, Vishvas Colony, Race Course Road, Baroda admeasuring 1120 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 1539 in the month of June, 1977 by the registering Officer, Baroda.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Kumudkant Tapidas Doctor,
72, Urmi Society,
Jetalpur Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 6th February 1978

Ref. No. P.R. No. 548Acq.23-1013/6-1/77-78.—Whereas,
I, D. C. GOEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
One flat of 5 rooms, 1st floor, No. I-B, situated at Vishvas
Colony, Race Course Road, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Baroda in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

19—496 GI/77

- (2) Dr. Tapidas Maganlal (HUF)
Karta Shri Kumudkant Tapidas Doctor,
72, Urmi Society,
Jetalpur Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being a flat on 1st floor, No. I-B,
situated at Alkapuri Shopping Centre, Vishvas Colony, R.C.
Road, Baroda admeasuring 1120 sq. ft. as described in the
sale deed registered under registration No. 1666 in the month
of June, 1977 by the registering Officer, Baroda.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 6th February 1978

Ref. No. P.R. No. 549Acq.23-1014/19-7/77-78.—Whereas I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 4, Nondh No. 581 situated Begumpura, Golwad, Rana Sheri, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 20-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kashiben Wd/o Jekishandas Kevalram,
Begumpura, Danapith, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Somabhai Motiram self and guardian of;
minors—1. Shri Sureshchandra Somabhai;
2. Shri Vinodchandra Somabhai;
3. Shri Pravinchandra Somabhai.
2. Shri Chandrakant Somabhai
3. Shri Kishorchandra Somabhai
All residing at Begumpura, Golwad, Ranasheri,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 4, Nondh No. 581, situated at Begumpura, Golwad, Rana Sheri, Surat admeasuring 134 sq. yds. as described in the sale deed registered in the month of June, 1977 under registration No. 1148 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th February 1978

Ref. No. P.R. No. 550Acq.23-1015/19-7/77-78.—Whereas, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 12, Nondh No. 1703-B situated at Shahpore, Pestanji Vakil Street, Surat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kasambhai Fakirbhai
Rani Talav, Tankashaliwad,
Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Pirmohmed Husenbhai;
2. Shri Abdulrahim Husenbhai;
3. Shri Nurmohmed Husenbhai;
4. Shri Fakirmohmed Husenbhai;
5. Shri Gulammohmed Husenbhai,
Rani Talav, Tankashaliwad,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Ward No. 12, Nondh No. 1703-B situated at Shahpore, Pestanji Vakil Street, Surat admeasuring 169 Sq. yds. as described in the sale-deed registered in the month of June, 1977 vide registration No. 1067 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 8-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 18th February 1978

Ref. No. CHD/64/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCF No. 77, Sector 47-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Nihal Chand S/o Shri Assa Nand,
2. Smt. Shila Wanti W/o Shri Mohan Lal,
3. Shri Rajesh Kumar S/o Late Sh. Mohan Lal,
4. Shri Mahesh Kumar (minor son)
5. Km. Rashma Rani and
6. Km. Ashma Rani
(Minor daughters) Ds/o Late Sh. Mohan Lal through their mother and natural guardian Smt. Shila Wanti.
All Rs/o H. No. 3362, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Bhagwan Singh Dhillon
S/o Dr. Bhajan Singh,
2. Smt. Hardial Kaur Dhillon
W/o Sh. Bhagwan Singh, Dhillon, Advocate,
R/o Jagraon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storey SCF No. 77 situated at Sector 47-D, Chandigarh measuring 114 sq. ft.

"Property as mentioned in sale deed No. 757 dated 18-10-77 registered in the office of Sub-Registrar, Chandigarh."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Lachman Dass S/o Sh. Prabhu Dyal
M/s Prabhu Dyal Sajjan Kumar,
Uchana Mandi, Teh. Narwana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

(2) Sh. Chhotu Ram S/o Sh. Ramji Lal
C/o Mahalaxmi Dal Mills,
Uchana Mandi, Teh. Narwana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Rohtak, the 17th February 1978

Ref No. NWN/2/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storey shop inside Uchana Anaj Mandi situated at Uchana Teh. Narwana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narwana in June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Double storey shop inside Uchana Mandi comprising of 8 rooms on ground floor and 7 rooms on first floor.

"Property as mentioned in the sale deed registration No. 482 registered in the office of the Registering Authority, Narwana on 6-6-1977."

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 17-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 21st February 1978

C.R. No. 62/11343/77178/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33/2A, situated at Arumugam Madaliar lane, Kalasipalayam, Bangalore-560 002, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi Bangalore Div. No. 536/77-78 on 11-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sarojamma W/o Sri D. Doraiswamy Naidu,
No. 10/1, Bugle Rock Road,
Basavangudi, Bangalore-560 004.

(Transferor)

- (2) 1. M. D. Rafiq S/o Sri M. D. Haneef,
2. M. D. Shafi S/o Sri M. D. Haneef,
Minors.
3. M. D. Haneef S/o Sri M. D. Jaffer.
1 & 2 are minors and are represented by their
Natural guardian and father Shri M. D. Haneef,
All are residing at No. 25, Chairman Bangal, Bank
Street, Ambur, N.A. District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 536/77-78 Dated 11-6-77]
Property bearing No. 33/2A, Arumugam mudaliar lane,
Kalssipalayam, Bangalore-560 002.

Boundaries :—

- N : Road, (Cross Road).
J : Private property.
E : Road (Arumugam Mudaliar lane, Kalssipalayam,
Bangalore-2.)
W : Private property.

J. S. RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-2-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Udipi R. Rao

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 17th February 1978

Ref. No. ARI/2048-7/77.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 769 of Worli Division situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Vasantlal C. Ghatalia
2. Smt. V. P. Ghatalia
3. Smt. C. R. Ghatalia
4. Smt. P. S. Shah,
5. Miss B. S. Shah
6. Miss J. S. Shah
7. D. I. Hemani and 8. S. G. Hemani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCHEDULE as mentioned in Registered Deed No. 858/75/BOM and registered on 28-6-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date 17-2-1978
Seal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

ASSISTANT GRADE EXAMINATION, 1978

No. F. 10/4/77-E.I.(B)

New Delhi, the 11th March 1978

A competitive examination for recruitment to vacancies in the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM, and at selected Indian Missions abroad commencing on 11th July, 1978 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 11th March, 1978.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure para 11).

2. The Services/posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services/posts are given below :—

- (i) Grade IV Assistants of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B)—30 (Includes 6 vacancies reserved for SC candidates and 3 vacancies reserved for S.T. candidates).
- (ii) Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service—6 (includes one vacancy reserved for Scheduled Castes candidates and one vacancy for Scheduled Tribes candidates).
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service—150 (includes 22 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 12 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service—87 (includes 13 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (v) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service—4 (includes one vacancy reserved for Scheduled Castes and one vacancy reserved for Scheduled Tribes candidates).

The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

N.B.—A candidate is required to specify clearly in the Application form the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is

received in the office of the Union Public Service Commission on or before the last date prescribed by the Commission for receipt of applications in their office.

4. A candidate seeking admission in the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded*

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1978. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1978 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 24th April, 1978 (8th May, 1978 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 24th April, 1978) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 24th April, 1978.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of India origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of the former Indian States but excluding the Assam Rifles,

Defence Security Crops, General Reserve Engineer Force, Jammu and Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army for a continuous period of not less than six months after attestation as on 24th April, 1978.

- (i) has been released otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or has been transferred to the reserve pending such release, or
- (ii) has to serve for not more than six months as on 24th April, 1978, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.

8. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED.

R. S. GOELA,
Dy. Secy.
Union Public Service Commission

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily-rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed, may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) **CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee, or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission.** (See paras 6 and 7 of the Notice and para 6 below).

- (ii) Attested/certified copy of the Certificate of age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two indential copies of recent passport size (5 cm.×7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).

NOTE : CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (i), (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY ON THE RESULTS OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1978. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

4. Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5.

(i) (a) **CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed Fee—**

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) **CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—**

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

(ii) **Certificate of Age.**—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification*.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence, and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them eligible to appear at the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) *Two copies of Photograph*.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), 3(v) and 3(vi) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____
son/daughter* of _____

of village/town* _____ in District/Division* _____
of the State/Union Territory* _____ belongs to
the _____ Caste/Tribe* which is recognised as
a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950¹

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950²

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951³

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951⁴

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956⁵.

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976⁶.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962⁷.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962⁸.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964⁹.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967¹⁰.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968¹¹.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968¹².

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970¹³.

2 Shri/Shrimati/Kumari* _____ and/
or his/her* family ordinarily reside(s) in village town* _____
of _____ District/Division* of the
State/Union Territory of _____.

Signature _____

***Designation _____

(with seal of office)

Place _____

Date _____

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

***Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

(5) (a) LDCs/UDCs/Stenographers Grade D claiming age concession under rule 6(b) should submit a certificate in original from the Head of the Department/Office in the following form :—

Certified that Shri/Smt./Km.
has been continuously in service on a regular basis in the
post of in the office of
..... with effect from

Signature

Designation

Date

(b) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c)(ii) or 6(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(c) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(d) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(vi) or 6(c)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(e) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 6(c)(viii) or 6(c)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. ——— Shri ———
of Unit ——— was disabled while in
the Defence Services, in operations during hostilities with a
foreign country/in a disturbed area and was released as a
result of such disability

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

(f) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c)(x) or 6(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. ——— Shri ———
of Unit ——— was disabled while in the Border
Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of
1971 and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

(g) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(h) An ex-serviceman seeking remission of fee under para 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in paras 5(b), (c) and (d) above, seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications Civil Lines, Delhi-110054, and may

be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13, ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

STAFF SELECTION COMMISSION

NOTICE

Clerks' Grade Examination, 1978 to be held on July 2, 1978.
Clarification regarding limitation of chances :

In Partial modification of the Commission's Notice No. 12/10/77-E.A. published in the Gazette of India and advertised in the leading newspapers on 14th January, 1978 and in Employment News/Rozgar Samachar on 21st January, 1978, it is hereby notified that the restriction regarding the number of chances mentioned in para 6 of the aforesaid Notice will not apply in the case of candidates who wish to compete only for services/posts mentioned under Groups Y and Z. However, the restriction on the number of chances, as already notified will continue to apply in the case of services/posts mentioned under Group X.

EXTENSION OF CLOSING DATE :

The closing date for receipt of applications from candidates, who have already availed of two chances from 1961 onwards for services/posts covered under Group X and now wish to compete for services/posts specified under Groups Y and Z is extended upto 14th March, 1978.

NOTE : Applications are invited on plain paper containing information asked for in the original Notice. Completed applications from such candidates must reach the concerned office of the Commission at New Delhi/Allahabad/Bombay/Calcutta/Madras on or before March 14, 1978.

HIRA LAL, Under Secy.